श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

वर्ष 01 अंक- 8-9
(संयुक्तांक)

फरवरी -मार्च 2024

चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, नासिक एवं
रंगों के त्यौहार होली के पावन पर्व पर

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

समाजसेवी– रामनिवास चतुर्वेदी

प्रॉपर्टी डीलर सबलगढ़, जिला– मुरैना (म0 प्र0)

महासचिव – श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद मध्यप्रदेश

मोबा0नं0 9893061527

Reg. No-AAWCA0902GF20229
BANK A/C No-4022002100016466
IFSC Code - PUNB0402200

Mob-9311006052
Email-ashokchaturvedi53@gmail.com

ASHOK HARISH CHAND FOUNDATION

TO RUN PROJECT-SENIOR CITIZEN, CHILD EDUCATION, HEALTH
Business Associate: SMC Global Securities Ltd (Deal in Share Market)
Insurance Advisor: HDFC Life Insurance Company Ltd
(Agency Code-HDF00484401)
General Insurance Advisor: New India Insurance Company Ltd
(Agency Code-AG00066425)
Health Insurance Advisor: Care Health Company Ltd (HP Code-RLH20514819)

Add - B-50 BALRAM NAGAR P.O LONI DIST. GHAZIABAD - 201102

AAA BROTHERS

SMC GLOBAL SECURITIES LTD.

ANKIT CHATURVEDI
Port Folio Management
& Technical Research Analyst

MOBILE NO: 9818478765
EMAIL ID: ankitchat@yahoo.com
Website: www.smcindiaonline.com

AXIS SECURITES LTD.

SURABHI CHATURVEDI
Authorised Person of Axis
Securities Ltd.
BSE APO1316301144248
NSE AP2064005841

MOBILE NO: 9971045486
EMAIL ID: joychonu@gmail.com
Website: www.axisdirect.in

Services:- Equities, Commodities, online share trading, mutual funds, IPOs, FDs, Insurance Broking, Investment Banking, PMS & Wealth Advisory

BUSINESS LEADER

- PNB MetLife Life Insurance Co. Ltd.
- HDFC Life Insurance Co. Ltd.
- BIRLA SUN Life Insurance Co. Ltd.
- BHARTIA AXA Life Insurance Co. Ltd.
- TATA AIA Life Insurance Co. Ltd.
- LIFE Insurance Corporation of India.

Office Address: B-50 BALRAM NAGAR, P.O. LONI-DIST. GHAZIABAD - 201102

चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, नासिक एवं

रंगों के त्यौहार होली के पावन पर्व पर

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

जय माँ बागवाली कृषि सेवा केन्द्र

हमारे यहाँ खाद, बीज, सीमेन्ट, सरिया, गिट्टी,

मरम रेत के थोक एवं खेरीज विक्रेता

जानकी प्रसाद चतुर्वेदी

अध्यक्ष- श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

जिला-मुरैना

हरेंद्र कुमार चतुर्वेदी

प्रोप्राइटर/पत्रकार

(M) : 7354823417, 9340078046

पता- देवा मन्दिर रोड, रामपुर कला, सबलगढ़ जिला-मुरैना (म.प्र.)

KC EVENT & CATERS

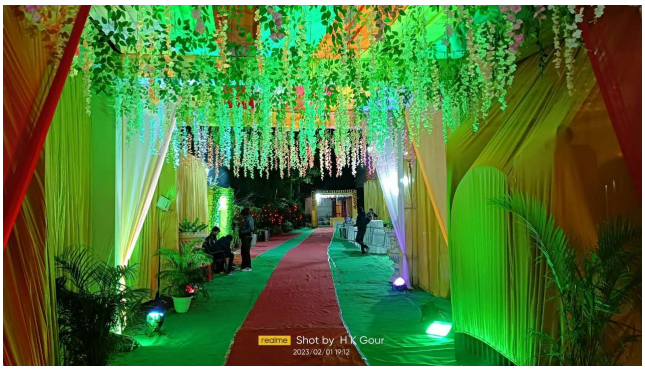

Tarun Chaturvedi 9826530965

Madhur Chaturvedi 8871710051

Mayur Chaturvedi 8871710050

Addres- 1. vashay samaj bhavan vneet kunj kolar
2.Gangour bhavan DK2 oblic16 near post office danish kunj

अंक– 8
फरवरी, मार्च–2024 वर्ष– 01

सभापति
नीरज चतुर्वेदी
मो0नं0 8529120404
Email- neeraj1965bjp@gmail.com
महामंत्री
प्रणव चतुर्वेदी (चेतन) (संगठन, कानपुर)
मो0नं0 9935533719
श्री निशीथ चतुर्वेदी, डबरा
मो0नं09977441400
श्री रोहित चतुर्वेदी
मो0नं0 9358111333
कोषाध्यक्ष
भारत चतुर्वेदी (कानपुर)
मो0नं0 9792115115
सम्पादक सलाहकार मण्डल
निशीथ चतुर्वेदी,
तरुण चतुर्वेदी भोपाल
सम्पादक
अतुल वी0 एन0 चतुर्वेदी
मो0नं0 9412320994 (Whatsup No.)
Email: editor.magazine2023@gmail.com
पत्रिका से सम्बन्धित पत्र व्यवहार का पता–
237, सिविल लाइन्स इटावा

नोट– पत्रिका में प्रकाशित सामग्री लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं इसमें सम्पादक का कोई विधिक उत्तरदायित्व नहीं है। सभी विवादों के निस्तारण का न्याय क्षेत्र जयपुर राजस्थान होगा।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

* सभापति की कलम से	7
* महामंत्री की कलम से	8–9
* संपादकीय	10
* मेरा अनुभव	11
स्वागत करें ज्ञान एवं सौभाग्य रूपी उजालों का	12–13
बदरंग रिश्तों में नया रंग भरती है होली	14
मथुरा और वृन्दावन की होली क्यों होती है खास	15
मन की बात	16
शादियों एवं संस्कारों का बदलता स्वरूप	17
हिन्दू धर्म ग्रन्थ	18–19
यमुना प्रदूषण	20
शादी समारोह	21
महिला समिति– प्रदेश संयोजिका	22–23
माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद की प्रदेश कार्यकारिणी	24–35
सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्बन्धित बैठक	36
जीवन के कुछ गूढ़ रहस्य	37
कविता	38–39
शोक संवेदना	40–41
गौरव के पल	42–43

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के लिए सभापति नीरज चतुर्वेदी द्वारा मुद्रक एच0आर0 एन्टरप्राइजेज द्वारा प्रकाशित संपादक– अतुल वी.एन. चतुर्वेदी

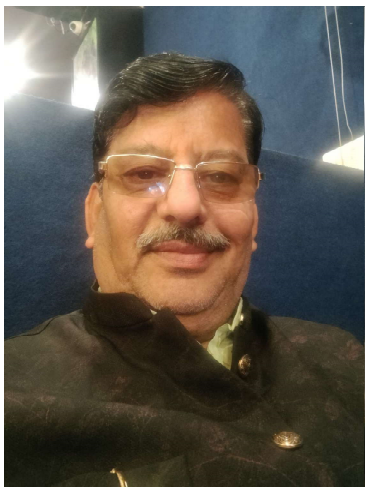

नीरज चतुर्वेदी
सभापति

सभापति की कलम से

युग परिवर्तनशील है। समय के साथ तो चले पर अपनी सामाजिक मर्यादा व संस्कारों को ना भूलें ना भूलने दे। ये हमारे पूर्वजों की धरोहर है। इनको संजोकर रखना व अपनी नई पीढ़ी में बांटना भी आवश्यक है।

शिखा, जनेऊ, तिलक लुप्तप्राय होते जा रहें। जो दाढ़ी मौलाना रखते अब हमारे यहां प्रवेश करती जा रही है शोचनीय प्रश्न है?

शौक किसी हद तक तो उचित है लेकिन दूसरी संस्कृति को हम पर हावी कर दे वो हानिकारक है परिवार के लिए भी समाज और संस्कारों की सुरक्षा के लिए भी।

हमारी नई पीढी पाश्चात्य संस्कृति की ओर कदम बढ़ा रही हैं ओर वो लोग हमारी संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये सोचने और चिंता का विषय है। हम सबको इस पर चिंतन और मनन की आवश्यकता है।

बसंत ऋतु का आगमन हुआ है। होली का आगाज हो चुका है। हम सब अपने है गांवो/शहरो में परंपरागत रूप से होली मनाने जाने की तैयारी में है। अच्छा हो इन आयोजनों में हम अपने बच्चों को भी शरीक होने के लिए प्रेरित करें। जिस से वो अपने पूर्वजों की देहली व गांव की माटी को नमन कर सकें।

सामाजिक गतिविधियों में नई सोच जितनी करीब आयेगी उतना समाज भी विकसित होगा। हम उनकी भावनाओं को अच्छे से समझ सकंगे।

महापरिषद ष्का विजन डॉक्यूमेंट से नई पीढ़ी को अवगत कराए ये उनके भविष्य की कार्ययोजना को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

महापरिषद समाज की महिलाओं की प्रमुख समस्या बच्चों के विवाह समस्या के समाधान की दिशा में जुलाई 2024 में एक नई पहल 7 गोत्र 64 अल्ल के अंतर्गत आने वाले सभी परिवारों के लिए सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजन करने के लिए प्रयासरत है।

इसके लिए हमें संकोच से बाहर निकल के आगे आना पड़ेगा।

हम ऐसे आयोजन से समाज को जोड़ने के साथ 2 परिवारों को जोड़ने का कार्य भी कर रहें है।

अन्य समाजों में ये काफी सफल आयोजन है। प्रयास करने से ही सफल होते हैं। अपने समाज को भी इस आयोजन की आवश्यकता है।

युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजन के साथ हम इस ओर भी कदम बढ़ाएं।

मन में उत्पन्न इन्ही विचारों के साथ।

पालागन/जय श्री कृष्णा।।

प्रणव चतुर्वेदी 'चेतन'
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन

महामंत्री की कलम से

सभी को सादर पालागन।

आज पिछले एक वर्ष से समाज दर्पण पत्रिका का प्रकाशन श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा डिजिटल एवं पत्रिका के रूप में आदरणीय सम्पादक श्री अतुल वी एन चतुर्वेदी जी के नेतृत्व में हो रहा है जिसको की अभी निशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा जिसका खर्च समाज के द्वारा उपलब्ध विज्ञापन एवं कुछ सदस्यों के व्यक्तिगत सदस्यों के द्वारा हो रहा है भविष्य मैं इस पत्रिका को शुल्क के साथ भी प्रारम्भ करने का विचार है जिसकी सूचना भी सभी सदस्यों को भविष्य में उपलब्ध कराई जायेगी।

1/2 मार्च 2024 को नासिक में राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक आयोजित होने जा रही है जिसका प्रबंधन श्री सुधीर जी के साथ श्री गिर्राज चतुर्वेदी महाराष्ट्र के सदस्यों के साथ आयोजित करने में तन मन धन से लगे है।ये राष्ट्रीय कार्यकारणी की चतुर्थ बैठक होगी। बहुत से सदस्यों को श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के रजिस्ट्रेशन की व्यग्रता से भी प्रतिक्षा है। जिसको महापरिषद के संरक्षक श्री एड. वी एन चतुर्वेदी जी एवं श्री हीरा लाल पाण्डेय जी बहुत मेहनत से प्रयास रत है। प्राप्त होते ही आप सभी को अवगत कराया जायेगा कारण सरकारी कार्य उनके नियमों के अनुसार ही सम्पादित होते है।आज महापरिषद के पदाधिकारियों की संख्या को देखकर ये लगता है की समाज को आज एक ऐसे संगठन की आवश्यकता थी जो समाज के सात गोत्र और 64 अल्लो के साथ सम्पूर्ण भारत के साथ अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी जोड़ सके इस कार्य को जन गणना के माध्यम से श्री सी पी चतुर्वेदी (सीए) के नेतृत्व में समाज के 10 युवा (आई टी) के पेशेवर सदस्यों के माध्यम से किया संपन्न किया जा रहा है।समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध है की सामाजिक संरचना और सर्व समाज की जानकारी के लिऐ जन गणना बहुत महत्वपूर्ण है अतः यदि इसको संपन्न कराने मैं समाज का सहयोग प्राप्त होता तो अवश्य ही एक महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकता है। भविष्य के बहुत से ऐसी योजनाऐं है जिनको महापरिषद समय समय पर समाज के सामने प्रस्तुत करेगी ।जिसके लिऐ आप सभी के सुझाव भी सादर आमंत्रित है।

अन्त में आप सभी को होली के पर्व की पूर्व शुभ कामनाएं देते हुए हुए आप सभी के स्वस्थ रहने की कामना करता हूं।

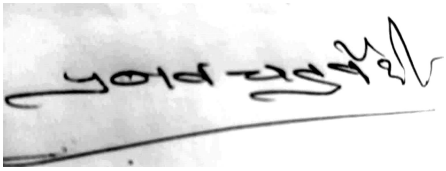

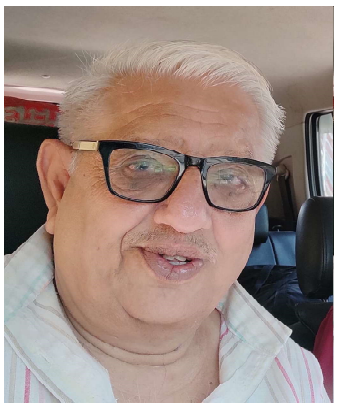

निशीथ चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महामंत्री

महामंत्री की कलम से

आदरणीय बांधव

सादर पालागन।

सभी बंधावों को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद द्वारा महिलाओं को समझ में व्यापक प्रतिनिधित्व दिए जाने के क्रम में लगभग 14 राज्यों में महिला कार्यकारिणी घोषित की है शेष राज्यों में भी गठन प्रक्रिया संचालित है महिलाओं का उत्साह जो देखने को मिला है निश्चय ही अनुकरणीय है इस सफलता के लिए माननीय सभापति एवं राष्ट्रीय महिला कार्यकारिणी धन्यवाद की पात्र है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महा परिषद कार्यकारिणी द्वारा माथुर चतुर्वेदी समाज में विवाह आयोजन में बढ़ती फिजूल खर्ची एवं आडंबरों को कम करने के उद्देश्य से समाज के बीच सामूहिक विवाह की संभावना तलाश करने हेतु एक समिति का गठन किया है समिति की वर्चुअल बैठक में उत्साह जनक विचार सामने आए हैं विवाह आयोजन हेतु कुछ जोड़ों के प्रस्ताव भी प्राप्त हुए हैं समाज के बांधवों से विनम्र निवेदन है कि सामूहिक विवाह आयोजन कार्यक्रम हेतु अपना – अपना सहयोग प्रदान करें इसके लिए हम सभी समाज के बीच जागरूकता पैदा करें तथा यदि संभव हो तो जिन बच्चों की सगाईयां हो चुकी है और निकट भविष्य में उन परिवारों को विवाह आयोजन करना है ऐसे परिवार सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित होकर एक नई पहल शुरू करने हेतु प्रोत्साहित करें यदि यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सफल होता है तो भविष्य में और भी परिवार इन आयोजनों में सम्मिलित होने का विचार करेंगे जो निश्चित रूप से विवाह आयोजनों में बढ़ते खर्चों से समाज के बांधवों को बचाने में सहयोगी होंगे हम सभी का कर्तव्य है कि समाज के बीच जागरूकता पैदा करें तथा कोशिश करें कि अधिक से अधिक जोड़े इसमें सहभागिता करें हम उम्मीद करते हैं कि आप सभी के सहयोग से यह आयोजन भी भव्य होगा तथा समाज के बीच एक नई राह दिखाएगा वर्तमान में समिति इस आयोजन हेतु संभावनाएं तलाश कर रही है शीघ्र ही नियमावली, आयोजन स्थल एवं तारीख की घोषणा की जाएगी आशा है आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा।

दिनांक 1 व 2 मार्च को श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की चतुर्थ बैठक नासिक में आयोजित हो रही है इसमें पधारे हुए सभी कार्यकारिणी सदस्य एवं अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन तथा महाराष्ट्र राज्य कार्यकारिणी , निवासरत बांधवों एवं आयोजन समिति का हृदय से आभार।

अतुल वी एन चतुर्वेदी

.....

सभी सम्मानित सदस्यों को रंगों के त्योहार होली की हार्दिक शुभकामनायें।

.....

पत्रिका के नियमित प्रकाशन हेतु अधिक से अधिक विज्ञापन दें एवं समय से भुगतान करने का सहयोग प्रार्थनीय है।

संपादक की कलम से...

इस बार की गणतंत्र दिवस परेड ने साबित कर दिया था कि देश नारी सशक्तिकरण की दिशा में कितना आगे बढ़ गया है । इस अंक में आपको इसी प्रकार देखने और पढ़ने को मिलेगा कि श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के द्वारा समाज की नारियों के सशक्तिकरण को लेकर क्या क्या किया जा रहा है। उसी क्रम में महापरिषद द्वारा महिला प्रकोष्ठ और सभी प्रदेशों में संयोजिका एवं कार्यकारिणी गठित की गई है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटलों पर समाज की बेटियां कैसे प्रतिनिधित्व कर रही हैं वह भी एक गौरव का पल होता है।

पत्रिका में अगले अंक से एक पृष्ठ समाज के सदस्यों के स्थानांतरण एवं पदोन्नति पर आधारित भी शामिल होगा। अतः आप इस से संबंधित सूचनाएं व्हट्स नंबर 9336498997 श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी को भेज सकते हैं।

पत्रिका के प्रकाशन में आने वाला खर्च आप सबके सहयोग से प्राप्त राशि से ही किया जाता है जो की बहुत ही कम है इसलिए पत्रिका का प्रकाशन मासिक से त्रैमासिक किया गया है।

अतः सभी से अनुरोध है कि अधिक से अधिक विज्ञापन एवं भुगतान देकर सहयोग करें ताकि पत्रिका का प्रकाशन नियमित रूप से जारी रहें। अगले अंक में अभी तक सहयोग करने वाले सम्मानित सदस्यों की सूची प्रकाशित करुंगा।

सादर पालागन एवं जय श्री कृष्णा।

विनयवत्–

आपका अपना

–संपादक

मेरा अनुभव - महापरिषद की उपयोगिता

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद परिवार के समस्त सदस्यो को सादर प्रणाम, राधे राधे।

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की स्थापना समस्त चतुर्वेदी परिवारो को संगठित करने के उद्देश्य से की गई है, जिसमे 7 गोत्र एवं 64 अल्त के चतुर्वेदी परिवारो का समावेश किया गया है, यह प्रथम चतुर्वेदी संस्था है जिसने यह अनूठी पहल की है, द्वितीय कार्य जनगणना का किया गया जिसके अन्तर्गत अभी तक 55000 सदस्यो को जोड़ा गया यह भी बहुत ही प्रसंशनीय कार्य है, इसके बाद भदावर यात्राः माननीय श्री हीरालाल पांडे जी के संयोजन मे करवायी गई जिससे सभी को अपने पूर्वजो की जन्मस्थली देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, हमारी संस्था की 20 प्रदेशो मे कार्यकारिणी एवं 17 प्रदेशो मे श्री माथुर चतुर्वेदी महिला संयोजिकाओ की नियुक्ति की जा चुकी है एवम 13 प्रदेशो में महिला कार्यकारिणी गठित की जा चुकी है, एवं युवा परिषद की कार्यकारणी गठन का कार्य भी काफी प्रगतिशील है विदेशो मे भी हमारी कार्यकारणी गठित हो रही है, इन सब के फल स्वरूप हम सब संगठित हो रहे है, महिला सशक्तिकरण हो रहा है एवम युवाओ को आगे बढने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है, अपने समाज मे जो मुख्य समस्या है वह सगाई, विवाह, विवाह विच्छेदन एवं अन्तर्जातीय विवाह की है, इसके समाधान के लिये जुलाई में भोपाल मे युवक युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया, एवम युवक युवती परिचय सम्मेलन समिति का भी गठन किया गया है, मई, जून के माह मे सामुहिक विवाह का भी आयोजन किया जा रहा है जिसके लिये समिति का गठन किया जा चुका है इसके द्वारा कुछ सामाजिक कुरीतियो को रोकने में सहायता मिलेगी। अन्तर्जातीय

विवाह को रोकने के लिये बच्चो मे प्रारम्भ से ही अपने संस्कार उत्पन्न करने की आवश्यकता है, मानव जीवन के सर्वांगीण विकास मे संस्कारो का प्रमुख स्थान है। वास्तव मे संस्कार सम्पन्न हुये बिना मानव–पशु सच्चे अर्थ मे मानव नहीं बन सकता। जिस प्रकार किसी खान से निकले धूल–मिटटी से बने स्वर्ण को धोकर साफ करके दोष परिमार्जन किया जाता है और कटक कुण्डलादि रूप में परिणत करने के अनन्तर पालिस आदि के द्वारा विशेष गुणाधान करके उत्तम अलंकार के रूप मे धारण किया जाता है, इसी प्रकार बच्चो मे संस्कार उत्पन्न करके उनके जीवन को उज्जवल बनाया जा सकता है, इसी के साथ मै अपनी लेखनी को विराम देवी हूँ।

आप सभी को पुनः सादर प्रणाम, राधे राधे।

श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
राष्ट्रीय महामंत्री संगठन
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद

स्वागत करें ज्ञान एवं सौभाग्यरूपी उजालों का

मन की, जीवन की, संस्कृति की, साहित्य की, प्रकृति की असीम कामनाओं का अनूठा त्योहार है बसंत पंचमी, जो हर वर्ष माघ मास में शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मनाया जाता है। दूसरे शब्दों में बसंत पंचमी का दूसरा नाम सरस्वती पूजा भी है। बसंत पंचमी को श्रीपंचमी, ज्ञान पंचमी भी कहा जाता है। माता सरस्वती को ज्ञान–विज्ञान, सूर–संगीत, कला, सौन्दर्य और बुद्धि की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती ने ही जीवों को वाणी के साथ–साथ विद्या और बुद्धि दी थी। इसलिए वसंत पंचमी के दिन हर घर में सरस्वती की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि देवी सरस्वती की पूजा सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। बसंत पंचमी जीवन में नई चीजें शुरू करने का एक शुभ दिन है। बहुत से लोग इस दिन 'गृहप्रवेश' करते हैं, कोई नया व्यवसाय शुरू करते हैं या महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू करते हैं। विवाह के लिए भी बसंत पंचमी का दिन बहुत ही शुभ माना जाता है। इस त्योहार को अक्सर समृद्धि और सौभाग्य से जोड़ा जाता है।

बसंत पंचमी के साथ, यह माना जाता है कि वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जो फसलों की कटाई के लिए एक अच्छा समय है। फाग के राग की शुरुआत भी इसी दिन होती है। फाल्गुन का अर्थ ही है मधुमास। वो ऋतु जिसमें सर्वत्र माधुर्य ही माधुर्य हो, सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो। वृक्ष नये पत्तों से सज गये हो, कलियां चटक रही हों, कोयल गा रही हो, हवाएं बह रही हो। ऐसे मधुर मौसम में सरस्वती पूजन वसंत की शुचिता एवं सिद्धि का प्रतीक है, एक ऊर्जा है, एक शक्ति है, एक गति है। लोकमन के आह्लाद से मुखरित वसंत ही महक और फाल्गुनी बहक के स्वर इसका लालित्य है, यही इस त्योहार की परम्परा का आह्वान है। यही क्षण है व्यक्तिवादी मनोवृत्तियों को बदलने का, ईमानदार प्रयत्नों की शुरुआत का, इंसानियत की नींव को मजबूती देने का। बहुत जरूरी है मन और मस्तिष्क की क्षमताएं सही दिशा में नियोजित हों। निर्माण का हर क्षण इतिहास बने, इसके लिये पवित्र मन से सरस्वती की साधना जरूरी है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन ब्रह्मांड का निर्माण किया था। सृष्टि की रचना करके जब उन्होंने संसार में देखा तो उन्हें चारों ओर सुनसान निर्जनता एवं नीरसता ही दिखाई दी। वातावरण बिल्कुल शांत एवं नीरस लगा जैसे किसी की वाणी ही न हो। यह सब देखने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं थे तब ब्रह्माजी ने भगवान विष्णुजी से अनुमति लेकर अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। जल छिड़कने के बाद एक देवी प्रकट हुई। देवी के हाथ में वीणा थी। भगवान ब्रह्मा ने उनसे कुछ बजाने का अनुरोध किया ताकि पृथ्वी पर सब कुछ शांत न हो। परिणामस्वरूप, देवी ने कुछ संगीत बजाना शुरू कर दिया। तभी से उस देवी को वाणी और ज्ञान की देवी सरस्वती के नाम से जाना जाने लगा। उन्हें वीणा वादिनी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि देवी सरस्वती ने वाणी, बुद्धि, बल और तेज प्रदान किया। इसीलिये बसंत पंचमी का सांस्कृतिक और धार्मिक दोनों ही महत्व है। यह ज्ञान, संगीत, कला, सौंदर्यशास्त्र की देवी सरस्वती का त्योहार है। महाभारत के शांति पर्व में उन्हें वेदों की माता कहा गया है। वह अज्ञानता, अविद्या और अंधकार को दूर कर गर्मी, चमक, प्रकाश, माधुर्य, सद्भाव, पवित्रता और प्रसन्नता का संचार करती है।

बसंत को ऋतुओं का राजा अर्थात् सर्वश्रेष्ठ ऋतु माना गया है। इस समय पंचतत्त्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंच–तत्त्व– जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। आकाश स्वच्छ है, वायु सुहावनी है, अग्नि (सूर्य) रुचिकर है तो जल पीयूष के समान सुखदाता और धरती, उसका तो कहना ही क्या वह तो मानो साकार सौंदर्य का दर्शन कराने वाली प्रतीत होती है। ठंड से ठिठुरे विहंग अब उड़ने का बहाना ढूंढते हैं तो किसान लहलहाती जौ की बालियों और सरसों के फूलों को देखकर नहीं अघाते। धानी जहाँ प्रकृति के नव–सौंदर्य को देखने की लालसा प्रकट करने लगते हैं तो वहीं निर्धन शिशिर की प्रताड़ना से मुक्त होने पर सुख की अनुभूति करने लगते हैं। सच! प्रकृति तो मानो उन्मादी हो जाती है। हो भी क्यों ना! पुनर्जन्म जो हो जाता है प्रकृति का। श्रावण की पनपी हरियाली शरद के बाद हेमन्त और शिशिर में वृद्धा के समान हो जाती है, तब बसंत उसका सौन्दर्य लौटा देता है। नवगात, नवपल्लव, नवकुसुम के साथ नवगंध का उपहार

देकर विलक्षण बना देता है।

बसंत पंचमी एक उत्सव ही नहीं बल्कि एक प्रेरणा भी है। बसंत पंचमी सिखाती है कि पुराने के अंत के साथ ही नए का सृजन भी होता है। असल में अंत और शुरुआत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बसंत ऋतु के आने से पहले पतझड़ का उदास मौसम होता है, लेकिन बसंत पंचमी के साथ ही बसंत ऋतु भी दस्तक देती है और बसंत ऋतु में पतझड़ से खाली हुए पेड़ पौधों में फिर से एक चमक, एक सुंदरता उतर आती है। जीवन का दस्तूर भी कुछ ऐसा ही है। पतझड़ की तरह खालीपन आता है लेकिन सब्र का दामन ना छोड़ें तो बसंत की बहार भी आती है। पूरे मन एवं आस्था से सरस्वती की पूजा एवं साधना करें ताकि आपकी वाणी मधुर हो, स्मरण शक्ति तीव्र हो, सौभाग्य की प्राप्ति हो, विद्या की प्राप्ति हो। सरस्वती पूजा से पति–पत्नी और बंधुजनों का कभी वियोग नहीं होता है तथा दीर्घायु एवं निरोगता प्राप्त होती है। इस दिन भक्तिपूर्वक ब्राह्मण के द्वारा स्वस्ति वाचन कराकर गंध, अक्षत, श्वेत पुष्प माला, श्वेत वस्त्रादि उपचारों से वीणा, अक्षमाला, कमण्डल, तथा पुस्तक धारण की हुई सभी अलंकारों से अलंकृत सरस्वती का पूजन करें।

मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द, स्वर व शक्ति की प्राप्ति जीव–जगत को हुई थी। इसीलिये मां सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है। पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है। धर्मशास्त्रों के अनुसार मां सरस्वती का वाहन सफेद हंस है। यही कारण है कि देवी सरस्वती को हंसवाहिनी भी कहा जाता है। देवी सरस्वती विद्या की देवी हैं। देवी का वाहन हंस यही संदेश देता है कि मां सरस्वती की कृपा उसे ही प्राप्त होती है जो हंस के समान विवेक धारण करने वाला होता है। केवल हंस में ही ऐसा विवेक होता है कि वह दूध का दूध और पानी का पानी को कर सकता है। हंस दूध ग्रहण कर लेता है और पानी छोड़ देता है। इसी तरह हमें भी बुरी सोच को छोड़कर अच्छाई को ग्रहण करना चाहिए। सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। यह रंग शिक्षा देता है कि अच्छी विद्या और अच्छे संस्कारों के लिए आवश्यक है कि आपका मन शांत और पवित्र हो। सभी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेहनत के साथ ही माता सरस्वती की कृपा भी उतनी आवश्यक है। यदि आपका मन शांत और पवित्र नहीं होगा तो देवी की कृपा प्राप्त नहीं होगी और न ही पढ़ाई में सफलता मिलेगी। मां सरस्वती हमेशा सफेद वस्त्रों में होती हैं। इसके दो संकेत हैं पहला यह कि हमारा ज्ञान निर्मल हो, विकृत न हो, अहंकारमुक्त हो। जो भी ज्ञान अर्जित करें वह सकारात्मक हो। दूसरा संकेत हमारे चरित्र को लेकर है। कोई दुर्गुण हमारे चरित्र में न हो। मां ने शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं, ये शुभ्रवस्त्र हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाना चाहिए और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करना चाहिए।

–साभार

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद की पत्रिका में प्रकाशन के लिए प्रस्तावित सहयोग राशि सारिणी

1	अंतिम कवर–रंगीन	5000.00
2	भीतरी कवर –रंगीन	4000.00
3	पूरा पृष्ठ –रंगीन	3000.00
4	पूरा पृष्ठ–श्वेत श्याम	2000.00
5	आधा पृष्ठ–श्वेत श्याम	1000.00
6	चौथाई पृष्ठ– श्वेत श्याम	500.00
7	शुभकामना संदेश–श्वेत श्याम–1/6	500.00
8	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ श्वेत–श्याम	1000.00
9	श्रद्धांजलि–आधा पृष्ठ श्वेत–श्याम	500.00
10	श्रद्धांजलि–पूर्ण पृष्ठ रंगीन	2000.00
11	श्रद्धांजलि–द्वितीय/भीतरी कवर रंगीन पृष्ठ	3000.00
12	बधाई/शुभकामना पूर्ण पृष्ठ रंगीन	1000.00
13	श्वेत–श्याम 1/4 पेज	500.00

बदरंग रिश्तों में नया रंग भरती है होली

बसंत आगमन के साथ प्रकृति जब नए सिरे से खुद को संवारती है, तो उसकी छटा निराली होती है। वह अपनी सारी गांठें खोलकर खुद को विविध रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त करती है। उस समय पेड़.पौधों की हरियाली और नाना प्रकार के पुष्प अपनी रंग बिरंगी छटा से मन मोह लेते हैं। तब मनुष्य का मन जैसे तरूण हो उठता है। होली आते–आते यह तरूणाई मादकता में डूबने इतराने लगती है। इस दृष्टि से देखें तो होली मन की गांठें खोल देने का त्योहार है।

यह ऐसा त्योहार है, जिसमें सभी धर्मों और समुदायों के लोग एक दूसरे को गुलाल लगाकर और गले मिल कर मन के मैल को भी इस मौके पर धो लेते हैं। दुनिया की किसी संस्कृति में ऐसा पर्व नहीं है, जिसमें मनुष्य एक दूसरे पर रंग डाल कर बदरंग हो गए रिश्ते में भी नया रंग भर लेते हैं। तन पर पिचकारियों की फुहार पड़ते ही और गालों पर एक दूसरे को गुलाल मलते हुए भारतीय समाज अपने सारे गिले–शिकवे दूर कर लेता है। क्यों न हो, जब इस देश की प्रकृति अलग–अलग मौसम से अपना मिजाज बदल लेती है, तो भला यहां के लोग भी लंबे समय तक एक रंग में ही क्यों रंगे रहें।

होली पर हर रंग अपना एक अलग संदेश लेकर आता है। गोरी के गालों पर जब पिया लाल रंग लगाते हैं तो यह उसके प्रति प्यार की गरमाहट को ही अभिव्यक्त करता है। और लाल रंग में सराबोर पत्नी जब पलट कर अपने पति, देवर, बहनोई या भाइयों को हरे रंग का गुलाल लगाती है, तो वह संबंधों में निर्मलता और प्रकृति से नारी के संबंध को ही प्रकट करती है। इसी प्रकार जब प्रियजनों को पीला रंग लगाया जाता है, तो हम यह संकेत देना चाहते हैं कि चलो हम फिर से अपने संबंधों को शुद्ध कर लें। शुभ अवसरों पर पीले रंग का कितना महत्व है, यह हर भारतीय समझता है। हम चाहें जामुनी रंग लगाएं या काला रंग, सभी का एक ही संदेश है कि मन से उदासी के रंग को दूर करो।

होली उत्साह से भरपूर त्योहार है। थोड़ी मस्ती, थोड़ी उछल कूद और थोड़ी चुहलबाजी ये सब होली पर दिखते हैं। रंग.गुलाल से खिला मन तब और आह्लादित हो जाता है, जब घर पर ठंडाई और पकवान खाने को मिलते हैं। उत्तर और पूर्वी भारत में इस मौके पर तो इतने पकवान बनते हैं कि सोचना पड़ता है कि क्या खाएं और क्या छोड़ें। होली पर मस्ती करने के बाद यों भी भूख बढ़ जाती है। खोए और चाशनी में बनी गुझिया, गरमा.गरम जलेबी, गुड़ और चीनी के पुए, मालपुए, गरमागरम पकौड़े, दही भल्ले और ठंडाई तो खासतौर से बनते हैं। एकल और संयुक्त परिवारों में महिलाएं सुबह से पकवान बनाने में जुट जाती हैं। उनमें प्यार और उल्लास देखते बनता है। दिल से बनाए ये पकवान खाने वाले के मन में भी मिठास घोल देते हैं। मित्रों और संबंधियों के घर सुबह या फिर शाम ढलने पर लोग जब जाते हैं, तो उनका तरह.तरह के पकवानों से ही स्वागत होता है। होली पर जिस तरह से रंगों से हम अपना स्नेह प्रकट करते हैं उसी तरह से पकवानों का भी संदेश है कि साल भर इसी तरह रिश्तों में भी मिठास बनाए रखना।

होली वस्तुतः मन की गांठें खोल देने का त्योहार है। इस दिन लोग पुराने मन मुटाव को भूल कर सद्भाव की नई शुरुआत करते हैं। होली पर जो लोग दूसरे को चोट पहुंचाने, अभद्रता करने और स्त्रियों को रंग लगाने के बहाने उनकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास करते हैं, उनमें दूर ही रहना चाहिए। उनकी हरकतों से यह साबित होता हैं कि वे सभ्य नहीं हैं और उनके मन का एक रंग है यानी काला। जिस पर किसी रंग का असर नहीं होता।

होली को कभी बदरंग न होने दें। क्योंकि विविध रंग मिल कर ही सतरंगी बनते हैं। इस अवसर हर मनुष्य समाज और परिवार में रिश्तों का ऐसा इंद्रधनुष बनाएं जिसमें मर्यादा तो हो ही, एक ऐसी गरिमा भी हो, जिसकी गरमाहट अगली होली तक बनी रहे।

मथुरा और वृंदावन की होली क्यों होती है खास

मथुरा और वृंदावन की होली ऐसी होती है जिसे देखने विदेशों से सैलानी आते हैं। जहां दूसरी जगहों पर रंगों से होली खेली जाती है वहीं मथुरा में फूल लड्डूओं और पानी से होती है होली की मस्ती।

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा की होली को देखने देश भर से ही नहीं विदेशों से भी सैलानियों की भीड़ उमड़ती है। जहां देश के दूसरे हिस्सों में रंगों से होली खेली जाती है वहीं सिर्फ मथुरा एक ऐसी जगह है जहां रंगों के अलावा लड्डूओं और फूलों से भी होली खेलने का रिवाज है। इतना ही नहीं पूरे एक हफ्ते पहले यहां इसका सेलिब्रेशन शुरु हो जाता है। तो और किन वजहों से मथुरा और वृंदावन की होली है खास? कहां आकर देख सकते हैं इसकी धूम? जानेंगे इसके बारे में।

क्यों मथुरा की होली होती है खास?

ऐसा माना जाता है कि आज भी मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी निवास करते हैं इसलिए पूजा–पाठ से लेकर उत्सव भी ऐसे मनाए जाते हैं जैसे वो खुद इसका हिस्सा हैं। भगवान श्रीकृष्ण, हमेशा से ही राधा के गोरे और अपने सांवले रंग की शिकायत मां यशोदा से किया करते थे। तो राधा रानी को अपने जैसा बनाने के लिए वो उनपर अलग–अलग रंग डाल दिया करते थे। नंदगांव से कृष्ण और उनके मित्र बरसाना आते थे और राधा के साथ उनकी सखियों पर भी रंग फेंकते थे। जिसके बाद गांव की स्त्रियां लाठियों से उनकी पिटाई करती थी।

तो राधा–कृष्ण की बाकी लीलाओं की तरह ये भी एक परंपरा बन गई जिसे यहां लट्ठमार होली के तौर पर आज भी निभाया जाता है।

मथुरा में यहां आकर करें होली को एन्जॉय

वैसे तो पूरे शहर में ही होली की धूमधाम देखने को मिलती है। लेकिन जिस होली की चर्चा पूरे देशभर में है उसे देखने के लिए आपको बरसाना, नंदगांव, ब्रज और वृंदावन आना पड़ेगा। बरसाना की लट्ठमार होली में नंदगांव से पुरुष आकर यहां की महिलाओं को चिढ़ाते हैं जिसके बाद महिलाएं उनकी लाठी–डंडों से पिटाई करती हैं। इस लड़ाई को देखने और इसमें शामिल होने का अपना अलग ही आनंद होता है। इसके बाद वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर आएं जहां रंगों और पानी के साथ होली खेलने की परंपरा है।

ऐसे बनाएं मथुरा और वृंदावन की होली को खास

बरसाना की लट्ठमार होली

नंदगांव की लट्ठमार होली

रंग भरनी एकादशी– बांके–बिहारी मंदिर, वृंदावन

विधवा होली– मथुरा के मैत्री आश्रम में रहती हैं विधवा महिलाएं। जहां विधवा महिलाएं भी जमकर खेलती हैं होली। जो एक बहुत ही अच्छा और सार्थक कदम है क्योंकि पहले हमारे देश के रीति–रिवाज इसके खिलाफ थे।

होलिका दहन– पूरे ब्रजमंडल में होलिका दहन होता है।

होली– ब्रजमंडल में खेलें पानी की होली, मथुरा, वृंदावन के सभी मंदिरों में होली की धूम देखने को मिलती है।

हुरंगा– दाऊजी मंदिर आकर देखें मशहूर हुरंगा होली की मस्ती।

रंग पंचमी– और रंग पंचमी के साथ होता है होली का समापन। जिसे आप यहां के मंदिरों में देख सकते हैं।

तो खासतौर से ऐसे 5 इवेंट्स होते हैं जिन्हें मथुरा, वृंदावन आकर बिल्कुल भी मिस न करें। पहला बरसाना की लट्ठमार होली, दूसरा नंदगांव की लट्ठमार होली, तीसरा कोसी का होलिका दहन, चौथा बांके–बिहारी की रंगों वाली होली, पांचवा दाऊजी मंदिर की होली। इनके अनुसार ही अपना प्लान बनाएं।

कैसे पहुंचे

मथुरा तक पहुंचने का रास्ता बहुत ही आसान है। सड़क मार्ग से आने का प्लान करें क्योंकि सड़कें बहुत अच्छी हैं साथ ही यहां हर एक नजारे का लुत्फ भी उठाया जा सकता है। ट्रेन से आ रहे हैं तो मथुरा रेलवे स्टेशन उतरकर टैक्सी द्वारा आप अपने डेस्टिनेशन पर पहुंच सकते हैं।

प्रस्तुति– अटल राम चतुर्वेदी

मन की बात

मुझे यह लिखते बड़ी प्रसन्नता और गर्वानुभूति हो रही हैं कि आज श्री माथुर चतुर्वेद समाज में समाजिक पत्रिकाओं को लेकर एक नयी जागृति आयी है। अब ब्राह्मण स्वभावानकूल पत्रिकाओं के प्रकाशन को महत्व ही नहीं दिया जा रहा अपितु उसके प्रति रूचि भी दिखाई जा रही हैं। इस सम्बन्ध में मुझे हाल में ही श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद अन्तर्गत प्रकाशित ष्समाज दर्पणष् पत्रिका जिसका सम्पादन उसके यस्वशी सम्पादक श्री अतुल वी.एन चतुर्वेदी ने किया हैं और राम मन्दिर के विशेष अंक के रूप में हाल में ही प्रकाशन किया हैं और उसका जो इलेक्ट्रॉनिक अंकघ मुझे प्रेषित किया हैं वह अंक बहुत सुन्दर, सुदर्शनिय, पठनीय ,परिश्रम पूर्ण, समाज की समकालीन परिस्थितियों के साथ परिपूर्ण हैं। तदर्थ धन्यवाद और शुभकामनाएं।

इसके पूर्व मुझे श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा प्रकाशित चतुर्वेदी चन्द्रिका का अंक भी प्राप्त हुआ जो हर माह नियमित रूप से मिलता हैं और समाज की विशेषकर भदावर वासियों के बारे में उल्लेखनीय सामाग्री प्रकाशित करता है। यह समाज की १०० वर्ष से अधिक अवधि से प्रकाशित हो रहा है। इसके पूर्व मुझे श्री माथुर चतुर्वेदी परिषद द्वारा प्रकाशित अंक भी मिला जिसमें समाज की समकालीन परिस्थितियों को विशेषकर मथुरास्थ माथुर चतुर्वेदी समाज की परिस्थितियों के बारे में उल्लेखनीय सामाग्री प्रकाशित की हैं। यद्यपि कुछ काल से यह नियमित प्रकाशित नहीं हो पाया था जिसकी कमी श्री माथुर चतुर्वेदी समाज द्वारा प्रकाशित ष्जागरण पत्रिकाष् ने पूरा किया। यह पत्रिका बड़े परिश्रम पूर्ण प्रयत्नों से महत्वपूर्ण जानकारी साथ सामाजिक जागृति पूर्ण सामाग्रियों का प्रकाशन करने में सफल हुयी हैं। तदर्थ साधुवाद।

मुझे ख्याल आ रहा हैं कि ऐसी परिस्थितियों ५० वर्ष पूर्व भी बनी थी जब मथुरान्त समाज की चतुर्वेदी पत्रिका और तथाकथित मीठे चतुर्वेदी की सरस्वती पत्रिका नियमित आती थी पर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद की आन्तरिक समस्याओं के चलते माथुर हितैषी पत्रिका बन्द प्राय हो गयी थी। ऐसी परिस्थितियों में तब हम मित्रों ने श्री माथुर चतुर्वेदी छात्र संघ तत् पश्चात् चतुर्वेदी प्रगति मंडल (मुम्बई)के तत्वाधान में माथुर प्रदीप का प्रकाशन प्रारंभ किया था। यह हमारे समाजिक पत्रिकाओं के प्रति रुचि और प्रेम का प्रतीक हैं जो सराहनीय और स्वागत योग्य स्वभाव हैं।

जब इस सम्बन्ध में बात कर रहा हूं तो मैं समाज दर्पण और उसके सम्पादक श्री अतुल वी. एन चतुर्वेदी के निष्पक्ष, निर्भिक, श्रमशील सम्पादन की प्रशंसा करने में अपने आप को सौभाग्य वान मानता हूं। ऐसा अनुभव हुआ कि वे समाज के लेखकों से मात्र सामाजिक सामाग्रियों के हेतु आग्रह ही नहीं करते अपितु स्वविवेक, स्वस्फूर्ति से स्वतरू ही अन्यत्र प्रकाशित समाज की महत्वपूर्ण सूचनाओं, समाचारों को प्रकाशित करते हैं जो कि उनका स्वागत योग्य, समाज हितकर कदम हैं।यह अनुभव मैंने हाल में हाल में ही किया जब मैंने अपने पुत्र प्रणव के द्वारा हाल में निर्माणाधीन पूर्ण कालीन ३ घंटे की फिल्म ष्श्री राम जन्मभूमिष् के गीत के अन्तिम दृश्य का जूहू बीच पर दर्शाये गये सीन की रिकॉर्डिग का दृश्य अपनी फेस बुक और ूींजजेनच पर किया था। यह फिल्म विश्व प्रसिद्ध अंग्रेजी उपन्यास कार श्री अमिष त्रिपाठी जी जिनकी सनातन संस्कृति पर लेखन में दक्षता हैं उनके कथानक पर जन्म भूमि ट्रस्ट के सहयोग से बनायी गयी फिल्म हैघ। यह मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन २२ जनवरी या उससे पहले रिलीज की जायेगी। इस समाचार महत्वपूर्ण और समकालीन मानते हुये उन्होंने वहां से यथावत उठाकर अपनी पत्रिका में प्रकाशित किया और उसकी कापी मुझे प्रेषित की हैं। इससे उनका निष्पक्ष , निडर समाजिक हित का प्रकाशन लगा। यह भी अनुभव हुआ कि प्रकाशक संस्था का सम्पादन में दबाव रहित ,हस्तक्षेप विहीन और समाज सभी तबकों को साथ में लेकर चलने का प्रयत्न की नीति का आलम्बन हैं। ऐसा मैं एक पुराने सम्पादक के नाते कह सकता हूं और मानता हूं कि ऐसी स्थिति पर पहुंचना एक गुरूतर कार्य हैं जिसके हेतु मैं संस्था के पदाधिकारियों की भी प्रशंसा करता हूं कि वे सम्पादक के कार्य में दबाव या हस्तक्षेप नहीं करते जो कि आज के वक्त में असम्भव , अनप्रेकीटीकल और असामायिक भी लगता हैं ।तदर्थ इस प्रयास की मैं भूरि भूरि प्रशंसा करता हूं और सभी मीडिया कार्यरत लोगों को इसके अनुगमन करने के साहस और परिस्थितियों के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं।

पुरूषोत्तम चतुर्वेदी
पूर्व संपादक चतुर्वेदी चंदिका मुंबई

शादियों एवं संस्कारों का बदलता स्वरूप : पुरुषोत्तम चतुर्वेदी

अभी हाल में मुम्बई सम्पन्न हुये विवाह शादी यज्ञोपवीत संस्कारों से ऐसा लगा कि मथुरा का चतुर्वेदी समाज अपने संस्कारों की रक्षा करते हुए प्रथाओं को पूर्णतः बदलने का मन बना चुका हैं।

अभी १५ जनवरी २४ से १८ फरवरी २४ तक मुम्बई में ६ शादी और दो यज्ञोपवीत संस्कार २ सगाइयो में शामिल हुआ। बचपन में जो देखा उससे सब कुछ बदला हुआ नजर आया। बचपन में हमारे बडों को कहता सुना हैं 'बृज छूटा कर्म फूटा' और लड़कियों की मथुरा से बाहर शादी होने पर कहते थे 'मथुरा की छोरी और गोकुल की गाय कर्म फूटे तो बाहर जाय'। शादी तभी करा दी जाती थी जब बच्ची कन्या होती थी।बिना विवाह अगर कन्या रजस्वला हो जाय तो बहुत अपराध भाव और कन्यादान के पुण्य से परिवार वंचित माना जाता था।उस वक्त बच्ची के बड़े हो जाने पर द्विरागमन की प्रथा हुआ करती थी और जब वह विदा होती थी तो पिन्डस में विछोह से रोती हुई जाती थी। विवाह शास्त्रोक्त ढंग से लम्बे चलते थे पर बड़े सादा होते थे। बारात के लिए न्यौता देने के बाद बोला देने जाना होता था और बारात जीमते जीमते तो कभी सुबह भी हो जाती थी। लाइट न होने के कारण लड़की के परिवार की औरतें अटरिया पर लुक्का लेकर गाती थी कि ६ राजा जनक के आई हैं बरात जिमाओं इनको हर हरे ६ बारातियों में मुख्य लोगों को पंडित जी आवाज देकर नीचे बुलाकर उनकी दात और मिलनी करते थे। वह ऐसा लगता हैं मानों हमें पद्मश्री से अलंकृत किया जा रहा हैं। अन्य जाति से शादी विवाह कोई पंडित नहीं कराता था जो करते थे वे भाग कर करते थे और कालांतर में अलग थलग हो जाते थे।यह हमने देखा ही नहीं अपितु इन्हीं प्रथाओं के अनुसार हमारे संस्कार सम्पन्न हुये है।बाद में जब हम मथुरा छोड़ कर अन्यत्र चले जाते थे तो हमारे सब संस्कार मथुरा जा कर सम्पन्न होते थे या हम वहां जाकर शामिल होते थे।

अब लगता हैं कि संस्कारों को छोड़कर सब कुछ बदल गया। अब मथुरा जा कर संस्कार सम्पन्न कराना आवश्यक नहीं रह गया यद्यपि संस्कारों में कोई फर्क नहीं आया हैं। गर्भाधान संस्कार से लेकर मृत्यु संस्कार सभी और मुख्यतौर पर शादी और यज्ञोपवीत संस्कार मथुरा से बाहर मुख्यतः मुम्बई में सम्पन्न हो रहे हैं। जहां अब तो लड़की वाले मथुरा से अपनी घरात को लाकर शादी सम्पन्न करा रहे हैं। जिनमें मैं पिछले दिनों मुम्बई में शामिल हुआ। इस बार मुम्बई १५ जनवरी से १८ फरवरी तक मैं १० ऐसे अवसरों पर शामिल हुआ। जिनमें २ सगाई, ६ शादी २ यज्ञोपवीत संस्कार।

शादियों में ४ अन्तर्जातिय , अन्तर्देशीय १ अन्तर्राष्ट्रीय। जिनमें तीन चतुर्वेदी कन्या और २ बालक समाज से बाहर व्याहे। ये अन्तर्जातिय सम्बन्ध मथुरा को केन्द्र में रख कर देखें तो भारत के पूर्व, पश्चिम,उत्तर , दक्षिण सभी प्रान्तों के वर वधूए इनमें शामिल थे। चतुर्वेदी समाज ने बिना रोक–टोक खुलकर इन सभी सम्बन्धों में शामिल होकर अपने आशिर्वाद दिये जिनमें से कुछ तो मथुरा से आये चतुर्वेदी पंडितों ने सम्पन्न करायें।मतलब स्पष्ट हैं।

पर जब संस्कारों की बात की जाय तो यज्ञोपवीत संस्कार बड़ी पवित्रता के साथ सम्पन्न हुये। जिसमें केवल सात्विक भोजन परोसा गया ,शास्त्रोंक्त ढंग से मथुरा के घूरे डेल की परिपाटी को निभाते हुये सम्पन्न किये। एक प्रतिष्ठित माननीय परिवार ने तो हरे कृष्ण मन्दिर जैसे पवित्र स्थल पर उसे सम्पन्न कराया। एक बात और देखने को मिली कि धूम धाम और भव्यता में शालीनता का भाव था। आधुनिकता में भारतीय गरिमा और गौरव को कायम रखा गया। धन दौलत आभूषण सजावट वाहन इत्यादि में भारत के किसी भी विकसित समाज से वे कम नहीं थे और आर्य गौर वर्ण के कारण किसी से भी सुन्दरता में कोई मुकाबला नहीं था। यही हमारे पूर्वजों की धरोहर का दर्शन था।

सूक्ष्म में इतना कहना चाहूंगा कि चतुर्वेदी समाज का वह वर्ग जिसके मैंने इन समारोहों में दर्शन किये वह अपने संस्कारों और संस्कृति की रक्षा करते हुये पुरानी प्रथाओं को तिलांजलि देने में अब हिचक नहीं करेगा।वह हसवइंस बपजप्रमदे बनने की ओर अग्रसर हो चुका हैं। जिसका गेट वे मुम्बई बन चुका हैं।

इसमें एक ही दोष नजर आया कि समाज आधुनिक वादी ,पुरातन वादी या मध्य मार्गी में विभाजित न हो जाय। जिसे हम समाजिक पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से विचार विनिमय करते हुये रोक सकते हैं। खुशी की बात यह हैं कि हम सभी समान रूप से कुल देवी, कुल प्रो हित,अल्ल,गोत्र , यमुना जी और खान–पान में एक से विचार रखतें हैं और वे ही भविष्य हमारी एकता की कड़ी बनेंगे। यही मेरी आशा है विश्वास हैं। जय श्रीकृष्ण।

पूर्व सम्पादक
चतुर्वेदी चन्द्रिका

हिन्दू धर्म ग्रन्थ

हम चतुर्वेदी हैं, अर्थात चारों वेदों के ज्ञाता. लेकिन यथार्थ में वेद तो बहुत दूर ज्यादातर को चार वेदों के नाम भी ज्ञात नहीं हैं. इसका कारण है हमारे बच्चों को हिन्दू धर्म की ध ाार्मिक शिक्षा घर, स्कूल, या समाज किसी भी स्तर पर नहीं दी जाती है. हिन्दू होने के नाते हमें अपने धर्म और धार्मिक ग्रंथों के बारे में जानना आवश्यक है. इसको ध्यान में रखकर हिन्दू धर्म और इसके धर्म ग्रंथों का एक संक्षिप्त परिचय दिया है।

हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों को दो भागों में बांटा गया है, श्रुति और स्मृति. श्रुति का अर्थ है 'जो सुना गया' जबकि स्मृति का अर्थ है 'जो याद रखा गया है'. श्रुति हिन्दू धर्म के सर्वोच्च ग्रन्थ हैं, जो पूर्णतः अपरिवर्तनीय हैं. अर्थात इनमें किसी भी युग में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता है. श्रुति के अंतर्गत वेद, ब्रह्म सूत्र, तथा उपनिषद् आते हैं. वेदों को श्रुति कहा जाता है क्योंकि इनको परम – ब्रह्म परमात्मा ने प्राचीन ऋषियों को उनके अंतर्मन में सुनाया था जब वे ध यानमग्न थे. यह ज्ञान जिन मन्त्रों, श्लोकों, या सूक्तियों के माध यम से प्रकट हुआ, उन सभी शास्त्रों को वेद कहते हैं. वैदिक ज्ञान को आसान कहानियों और उपदेशों के माध्यम से जो ग्रन्थ ऋषियों ने अपनी बुध्दि से लिखे वह स्मृति ग्रन्थ कहलाते हैं. स्मृति ग्रंथों में देश दृ कालानुसार वदलाव हो सकता है इसलिए इनको श्रुति से निचले स्तर पर रखा गया है. श्रुति को छोड़कर अन्य सभी हिन्दू धर्म ग्रन्थ स्मृति कहे जाते हैं. प्रमुख स्मृति ग्रन्थ हैंरू इतिहास, भगवद गीता, स्मृति, पुराण, भारतीय दर्शन, आगम शास्त्र, इत्यादि. इतिहास का अर्थ है जो घटित हुआ हो. वाल्मीकी रामायण तथा महाभारत इतिहास माने जाते हैं क्योंकि घटना के समय लेखक मौजूद थे तथा स्वयं भी एक किरदार थे. जिस ऋषि ने वेद ज्ञान को अपने तरीके से लिखा उसके नाम पर एक ग्रन्थ बन गया, जिसे स्मृति ग्रन्थ कहते हैं. स्मृतियाँ मुख्यतः १८ मानी गई हैं जिसमें मनु स्मृति बहुचर्चित है. पुराण भी १८ हैं जिनमें ६ दृ ६ पुराण क्रमशः ब्रह्मा (रजस), विष्णु (सत्वा), और शिव (तमस) की कथाओं पर आधारित हैं. पुराण निम्न प्रकार हैं.

ब्रह्मा– ब्रह्म पुराण, ब्रह्माण्ड पुराण, ब्रह्म वैवर्त पुराण, मार्कंडेय पुराण, भविष्य पुराण, वामन पुराण।

विष्णु– विष्णु पुराण, भागवत पुराण, नारद पुराण, गरुण पुराण, पद्म पुराण, वाराह पुराण।

शिव– शिव पुराण, लिंग पुराण, मत्स्य पुराण, कूर्म पुराण, स्कन्द पुराण, अग्नि पुराण.

छह भारतीय दर्शन हैं– न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा, और वेदांत.

वेदों को पहले लिखा नहीं जाता था, इनको गुरु अपने शिष्यों को सुनाकर याद करवा देते थे और इसी तरह गुरु – शिष्य परंपरा चलती थी. वेद कितने प्राचीन हैं इस पर विद्वानों के भिन्न – भिन्न मत हैं लेकिन सभी विद्वान एकमत हैं कि ऋग्वेद विश्व का प्राचीनतम ग्रन्थ है. वेद चार हैं – ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद, तथा अथर्व वेद. भारतीय आध्यात्मवाद में तीन काण्ड सुप्रसिध्द है दृ ज्ञान काण्ड, कर्म काण्ड, तथा भक्ति काण्ड. चारों वेदों में से अथर्व वेद का संबंध ज्ञान काण्ड से, सामवेद का संबंध भक्ति काण्ड से, तथा यजुर्वेद का संबंध अनुष्ठान एवं कर्म काण्ड से है. ऋग्वेद का संबंध विज्ञान काण्ड से है. ऋग्वेद शव्द संस्कृत के धातु 'ऋक' और वेद से मिलकर बना है. ऋक का मतलव है दृ स्तुति यानी गुण एवं गुणी का वर्णन. गुणी चीजों के वर्णन, विश्लेषण और प्रतिपादन को ही विज्ञान कहा जाता है. चारो वेदों के साथ एक दृ एक उपवेद है. ऋग्वेद के साथ आयुर्वेद, सामवेद के साथ गन्धर्व वेद, यजुर्वेद के साथ धनुर्वेद, तथा अथर्व वेद के साथ स्थापत्य वेद है.

उपनिषद् भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं. वे ब्रह्मविद्या हैं. वेदों का सार उपनिषद् और उपनिषदों का सार गीता है. उपनिषद् का शाब्दिक अर्थ है ब्रह्मविद्या की प्राप्ति के लिए शिष्य का गुरु के समीप बैठना. अर्थात उपनिषद् ज्ञानी ऋषियों द्वारा अपने शिष्यों को ब्रह्मविद्या पर दिए गए उपदेश हैं. इनमें कर्म, पुनर्जन्म, धर्म (कर्तव्य), और मोक्ष (मुक्ति) जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझाने का प्रयास है. ब्रह्मविद्या के अंतर्गत ब्रह्म और आत्मा के स्वरूप, उसकी प्राप्ति के साधन और आवश्यकता की समीक्षा की गयी है. शिष्यों को प्रश्नोत्तर के माध्यम से सृष्टि के गूढ़ रहस्यों को रोचक और प्रेरणादायक कथाओं द्वारा समझाया गया है. उपनिषदों की संख्या लगभग १०८ है जिनमें से प्रायः १३ उपनिषदों को मुख्य उपनिषद् कहा जाता है. मुख्य उपनिषद्

वे उपनिषद् हैं जो प्राचीनतम हैं और जिनका पठन दृ पाठन अधिक हुआ है।

हिन्दू धर्म के अनुसार वेद ईश्वरीय ज्ञान है जो ब्रह्मा के मुख से निकला हुआ 'परावाक' है. वह 'अनादि' एवं नित्य कहा गया है. वह अपौरुषेय है. ऋग्वेद के १० वें मंडल के ७१ वें मंत्र में बताया है कि ऋषियों ने अपने ध्यान में सूक्ष्म ध्वनि सुनी जिसे ईश्वर वाणी भी कहा जाता है. इसी ध्वनि को ऋषियों ने ध्यान पूर्वक सुना, स्मरण किया और फिर गुरु दृ शिष्य पम्परा में औरों तक पहुंचाया. जिन ऋषियों ने तप द्वारा सूक्ष्म ध्वनि सुनी उनको मंत्र – दृष्टा ऋषि कहते हैं. तप की गरिमा के रूप में महर्षि विश्वामित्र के समान शायद ही कोई हो. इन्होने अपनी तपस्या के बल से क्षत्रियत्व से ब्रह्मत्व प्राप्त किया. ऋग्वेद के तृतीय मंडल के दृष्टा ऋषि विश्वामित्र ही हैं. इस मंडल के ६२ वें सूत्र का दसवां मंत्र 'गायत्री मंत्र' के नाम से विख्यात है. यह मंत्र सभी वेदमंत्रों का मूल है, इसी से सभी मंत्रों का प्रादुर्भाव हुआ. इसीलिए गायत्री को 'वेदमाता' कहा जाता है. ऋग्वेद के प्रत्येक मंडल के दृष्टा ऋषि अलग दृ अलग हैं. चौथे मंडल के दृष्टा ऋषि वामदेव और पांचवें मंडल के दृष्टा ऋषि अत्रि हैं. इसी प्रकार छठे मंडल के भारद्वाज और सप्तम मंडल के दृष्टा ऋषि वशिष्ठ हैं. इनके अलावा अनेक महान ऋषि हुए हैं जो वेद मंत्रों के दृष्टा ऋषि हैं. मन में कई प्रश्न उठते है, अगर वेद ईश्वरीय ज्ञान है तो ऋषियों ने सुना कैसे? क्या प्रमाण है कि वेद ईश्वरीय ज्ञान है ऋषियों की कल्पना नहीं? इसकी पुष्टि करने का क्या तर्क है? इन प्रश्नों का उत्तर तर्क द्वारा देने का प्रयास करेंगे।

सर्व विदित है, ज्ञान एक से दूसरे को वाणी द्वारा प्राप्त होता है। हिन्दू शास्त्रों में वाणी के चार प्रकार बताए गए हैं दृ १. वैखरी, २. मध्यमा, ३. परावाणी, ४. पश्यन्ति. वैखरीवाणी जिव्हा से निकलती है जो हम सब बोलते–सुनते हैं. दूसरी वाणी मध्यमा है जो बिना शब्दोच्चारण के चेहरे के हाव दृ भाव द्वारा मनःस्थिति का प्रकटीकरण करती रहती है. तीसरी परावाणी है जो विचारधारा से सम्बंधित है. परावाणी मस्तिष्कीय विचार कम्पनों के रूप में होती है. यह कम्पन विद्युत् प्रवाह की तरह आकाश में भी भ्रमण करने के लिए निकल पड़ते हैं. इसे मस्तिष्क बोलते और मस्तिष्क ही सुनते हैं. परावाणी सुनने वाले को मंत्र – दृष्टा कहते हैं. चौथी पश्यंती वाणी है जो आत्मा से निकलती है और दूसरी आत्मा के साथ टकराती है. कुसंग और सत्संग से पड़ने वाले प्रभाव को पश्यन्ति कहना चाहिए.

परावाणी को विज्ञान के एक उदाहरण से समझा जा सकता है. हम जानते हैं कि पैरों द्वारा थोड़ी दूरी ही तय कर सकते हैं. लेकिन किसी वाहन में वैठकर हम लम्बी दूरी तय कर लेते हैं. इसी तरह वैखरी वाणी भी वायुमंडल में कुछ दूर तक ही जा सकती है. परन्तु रेडियो स्टेशन या दूरदर्शन केंद्र पर जब वैखरी को कैरियर तरंगों पर बैठाकर ट्रांसमीटर द्वारा छोड़ा जाता है तो यह आकाश में भ्रमण करने निकल पड़ती है. इन तरंगों को हम कानों द्वारा नहीं सुन सकते हैं. लेकिन रेडियो या टेलीविजन उपकरण के माध्यम से देश दृ विदेश में कहीं भी वैखरी को फिर से सुन या देख लेते है. उल्लेखनीय है, दूसरे महायुध्द के दौरान हिटलर ने जर्मन वैज्ञानिकों को आदेश दिया था कि रेडियो की तरह ऐसे उपकरण का आविष्कार करो जिससे मस्तिस्कीय तरंगों को सुना या पढ़ा जा सके. चूंकि इससे सबसे ज्यादा डर हिटलर के समीपी जनरलों और वैज्ञानिकों को था इसलिए इस पर कोई काम नहीं हुआ. दूसरी तरफ, हजारों साल पहले प्राचीन ऋषियों ने इसका हल खोज लिया था. योग विद्या द्वारा वह मस्तिस्कीय तरंगों को पढ़ सकते थे. योग की सर्वोच्च अवस्था समाधी है. मन्त्र दृ दृष्टा ऋषियों ने समाधी की अवस्था में ईश्वरीय ज्ञान सुना था.

दूसरा प्रश्न है, वेद ईश्वर कृत ज्ञान है या ऋषियों की कल्पना. इसका उत्तर तर्क द्वारा दिया जा सकता है. प्राचीन काल में कितने मंत्र दृष्टा ऋषि हुए हैं इसका सटीक आकलन तो मुश्किल होगा. परन्तु आज के जाने माने विद्वान डा. रंगासामी एल. कश्यप, जिन्होंने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से शिक्षा ली, के शोधानुसार करीव ४०० से अधिक मंत्र दृ दृष्टा ऋषिगण थे, जिनमें तीस ऋषिकाएं भी थी. अगर कोई भी मंत्र ऋषि की कल्पना होती तो दूसरे मंत्रों के साथ भेद अवश्य उत्पन्न होता, परन्तु ऐसा नहीं है. वेदों में एक भी मंत्र दूसरे मंत्रों के साथ कोई विपरीत बात नहीं रखता. यह प्रमाणित करता है कि वेद ईश्वरीय ज्ञान है, ऋषियों की कल्पना नहीं.

डा. धीरज कुमार चतुर्वेदी
भूतपूर्व फिजिक्स प्रोफेसर
कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र

यमुना प्रदूषण की समस्या को लेकर आन्दोलित है चतुर्वेदी समाज

यमुना प्रदुषण की समस्या को लेकर मथुरा के लोग विशेषकर यमुना पुत्र जो चतुर्वेदी कहलाते हैं वे काफी आन्दोलित हैं। हाल में जहां एक ओर श्री मुकेश जी मथुरा से पैदल चल कर द्वारका में श्री द्वारकाधीश से इस सम्बन्ध में गुहार लगा रहे हैं तो दूसरी ओर श्री राजेश जी ने मथुरा के कलेक्टर के कार्यालय के समक्ष अश्रुपूर्ण प्रदर्शन भी उनकी गलत बयानबाजी के खिलाफ भी किया। जब मामला गर्माया तो मथुरा के विधायक महोदय के बयान कि हम तो यमुना जी की सफाई का काम गम्भीरता से ले रहे हैं और इस ओर प्रयत्न शील भी हैं कि यह पवित्र जल इतना शुद्ध हो जाय कि भक्त गण उससे भगवान को स्नान करा सकें और आचमन कर सकें पर ये आन्दोलन जीवी हमारे प्रयत्नों में बाधा डाल रहे हैं।

पढ़ कर घोर आश्चर्य हुआ। इसे कहते हैं उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। अरे ओ! स्वच्छता का दंभ भरने वालों क्या आप बता ढसकते हो कि आपने १० साल में क्या किया? मेरे ख्याल में तो अभी तक तो झूठे वादे करते रहे हो, झूठे प्रचार की व्यारू करते रहे हो। अब तो लगता हैं कि इनके हौसले और भी बुलन्द हो गये लगते है जब ये विचारे आन्दोलित लोगों को ही इस पाप का दोष दे रहे हैं ।आश्चर्य तो इस बात का हैं कि भाजपा से सम्बंधित यमुना पुत्र भी उनके बेतुके बयान पर वे मौन हैं। इस समय उनमें से कुछ कल्की मन्दिर की बात कर रहे हैं और इसे २०२६ के आम चुनाव में जीत से जोड़ रहे हैं। शायद वे यहां चूक गये और अपनी विजय यात्रा पर २०२६ पर ही अटक गये लग रहे है। मेरे ख्याल से उन्हें तो भाजपा की विजय का अनुमान कल्की अवतार तक खींच लेना चाहिए।

आश्चर्यजनक यह बात भी हैं कि जब वे अयोध्या ,बनारस और मथुरा के मन्दिर मस्जिद की बात करते हैं तो सरयू और गंगा के शुद्धिकरण की बात पहले करते हैं पर जब वे कि कृष्ण जन्म भूमि की बात करते हैं तो यमुना जी को ही भूल जाते हैं। यमुना मात्र नदी नहीं अपितु हमारे धर्मशास्त्रों ने तो इसे भगवान कृष्ण की चतुर्थ प्रिया जी भी कहा हैं। पुष्टि मार्ग के अधिष्ठाता श्री वल्लभाचार्य जी तो श्री यमुना अष्टक में इसे नमत कृष्ण तुर्यं प्रिया कह कर प्रणाम किया है। यह भी विचारणीय हैं कि गुजरात माडल की बात ये सत्ताधारी अवश्य करते पर पुष्टि मार्ग जो वहां माने जाने वाला मुख्य धर्म हैं उसे ही भूल जाते हैं। गुजरात मांडल के मुख्य जनको में से एक, प्रधानमंत्री के दाएं हाथ और देश के गृह मंत्री जी और उनका परिवार तो पुष्टि मार्गी है जो कि यमुना जी को सकल सिद्धि हेतुं मुदा मानता हैं तो यहां वे यमुना जी की उपेक्षा क्यूं कर रहे हैं? कारण समझ से परे है। पर इतनी तो हम उनसे अपेक्षा करते हैं कि यमुना जी की दुर्दशा पर कुछ तो सहानुभूति बतायें जब कि इनके विधायक उल्टे इन यमुना पुत्रों की यमुना जी दुर्दशा पर करुण पुकार को कार्य में अवरोधक बता रहे हैं और इस पर भारतीय जनता पार्टी के सदस्य इस विधायक की गलत बयान बाजी से अपने आपको दूर नहीं कर रहे हैं अपितु मौन है। हमारे ही भाई जो यमुना पुत्र होने का गर्व करते हैं वे अपने विधायक को फटकार लगाने की जगह अलग थलग बात कर विषयांतर कर रहे है जो अतिशर्मनायक बात हैं। धिक्कारने योग्य बात हैं। आओ, वक्त रहते इस उग्र धार्मिक समस्या के हल का प्रयत्न करें और इसका राजनैतिककरण न होने दें।

श्री जमुना महारानी की जय।

पुरुषोत्तम चतुर्वेदी
पूर्व सम्पादक– चतुर्वेदी चन्द्रिका

गौरी चतुर्वेदी व पंकज चतुर्वेदी का शादी समारोह सम्पन्न

भगवान की कृपा से और आप सभी बंधुओं के आशीर्वाद से मेरी सुपौत्री गौरी चतुर्वेदी की शादी दिनांक 4–2–2024 को चंद्रपुर निवासी जयपुर प्रवासी श्री पंकजजी पाठक के सुपुत्र श्री गोरांग चतुर्वेदी के साथ बडे हर्ष–उल्लास के साथ सम्पन्न हुई जिसमें माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के राष्ट्रीय सभापति श्री नीरज जी चतुर्वेदी राजस्थान प्रदेश के महामंत्री श्री पीयूष पाणि चतुर्वेदी राजस्थान के प्रांत अध्यक्ष श्री ह्रदेश जी चतुर्वेदी रायपुर से श्री समीर चतुर्वेदी जी भी इस शादी समारोह में उपस्थित हुये और वर बधू को दाम्पत्य जीवन सुखमय रहने का आशीर्वाद दिया।

SRI MATHUR CHATURVEDI MAHILA PARISHAD

MAHILA SAMMITI – PRADESH SANYOJIKA

1.) WEST BENGAL
NAME:- Shrimati Preeti Chaturvedi

2.) PUNJAB
NAME:- Shrimati Kumud Chaturvedi

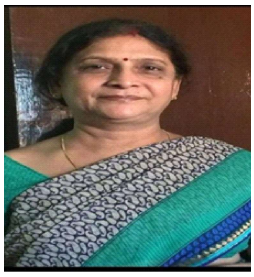

3.) TAMILNADU
NAME:- Shrimati Madhu Chaturvedi

4.) MAHARASHTRA
NAME:- Shrimati Saroj Chaturvedi

5.) KARNATAKANAME:-
NAME:- Shrimati Khushboo Chaturvedi

6.) RAJASTHAN
NAME:- Shrimati Rachna
Yatindra Chaturvedi

7.) UTTAR PRADESH
NAME:- Shrimati Palak Chaturvedi

8.) ANDHRA PRADESH/ TELANGANA
NAME:- Shrimati Kirti Chaturvedi

SRI MATHUR CHATURVEDI MAHILA PARISHAD

MAHILA SAMMITI – PRADESH SANYOJIKA

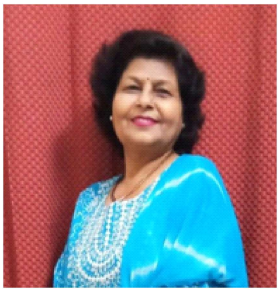

9.) UTTARAKHAND
NAME:- Shrimati Deepali Chaturvedi

10.) HARAYANA
NAME:- Shrimati Poonam Chaturvedi

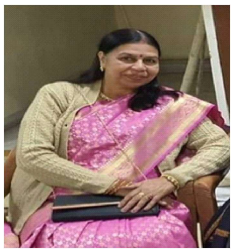

11.) BIHAR
NAME:- Shrimati Madhuri Chaturvedi

12.) MADHYA PRADESH
NAME:- Shrimati Deepa Chaturvedi

13.) ORRISA/ ODISHA
NAME:- Shrimati Premlata Chaturvedi

14.) CHATTISGARH
NAME:- Shrimati Kanti Chaturvedi

15.) JHARKHAND
NAME:- Shrimati Shalini Chaturvedi

16.) GUJRAT
NAME:- Shrimati Reena Chaturvedi

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद महाराष्ट्र प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, सम्मानीय राष्ट्रीय संरक्षक महोदय श्री बृजमोहन जी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार चतुर्वेदी जी ,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती सरोज चतुर्वेदी जलगांव,महाराष्ट्र प्रदेश संयोजिका द्वारा अपने महाराष्ट्र प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक मंडल

1.श्रीमती रति चौबे नागपुर
2.श्रीमती शिमला चतुर्वेदी,नासिक
3.श्रीमती मिथिलेश चतुर्वेदी मुम्बई
4.श्रीमती रचना चतुर्वेदी,मुम्बई

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती सरोज,चौबे, जलगांव

सह संयोजिका

1.श्रीमती अर्चना चौबे,जलगांव
2.श्रीमती नेहा चौबे,जलगांव
3. श्रीमती नीतू चौबे, जलगांव
4.श्रीमती ज्योति चौबे,जलगांव
5.श्रीमती नूतन चतुर्वेदी,मुम्बई

महामंत्री

1.श्रीमती मधु चौबे,जलगांव
2.श्रीमती ममता चौबे जलगांव

मन्त्री

1.श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी मुम्बई
2.श्रीमती प्रीती चतुर्वेदी,मुम्बई
3.श्रीमती रुची चतुर्वेदी मुम्बई

सचिव

1.श्रीमती सुमन चतुर्वेदी,मुम्बई
2. श्रीमती चित्रा चौबे,जलगांव

सहसचिव

1.श्रीमती हेमलता चौबे,जलगांव
2. श्रीमती संगीता चौबे,जलगांव
3. श्रीमती स्मिता चौबे,जलगांव

संगठन मंत्री

1. श्रीमती साधना चौबे,भुसावल
2. श्रीमती संगीता चौबे,भुसावल
3. श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, नागपुर

सांस्कृतिक मन्त्री

1.श्रीमति प्रियंका चौबे,पुणे
2. श्रीमती ईरा चतुर्वेदी,पुणे

मीडिया आई टी प्रबंधन मंत्री

1. दीप्ति चौबे,मुम्बई
2. शुभांगी चौबे जलगांव

व्यवस्था प्रबंधन मंत्री

1. श्रीमती सुचेता चौबे,जलगांव
2. श्रीमती मंजू चतुर्वेदी एडवोकेट, गोदिया

कार्यकारिणी सदस्य

1.श्रीमती शानू चतुर्वेदी,मुम्बई
2. सुश्री रोली चतुर्वेदी,मुम्बई
3.सुश्री नेहा चतुर्वेदी,मुम्बई
4.श्रीमती सौम्या चतुर्वेदी ,ठाणे,मुम्बई
5 श्रीमती शुभ्रा चतुर्वेदी,गोदिया

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1.श्रीमती नीमासुधीर चतुर्वेदी,मुम्बई
2.श्रीमती डौली चौबे नागपुर
3. श्रीमती अनीता चतुर्वेदी मुंबई

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती सरोज चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,महाराष्ट्र प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद पश्चिम बंगाल की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, अध्यक्ष पश्चिम बंगाल श्री फतेहचंद चतुर्वेदी, राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी , संयोजिका पश्चिम बंगाल द्वारा अपने प्रदेश पश्चिम बंगाल की कार्यकारणी घोषित की जाती है।

संरक्षक मंडल

1.श्रीमती हेमा चतुर्वेदी
2.श्रीमती रेखा चतुर्वेदी
3.श्रीमती रूपा चतुर्वेदी

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी,पश्चिम बंगाल

सह संयोजिका

1.श्रीमती नूतन चतुर्वेदी
2.श्रीमती रूबी चतुर्वेदी

महामंत्री

1.श्रीमती मोहिनी चतुर्वेदी

मंत्री

1. श्रीमती मीनाक्षी चतुर्वेदी
2.श्रीमती कल्पना चतुर्वेदी
3.श्रीमती नेहा चतुर्वेदी

सांस्कृतिक मंत्री

श्रीमती राखी दुष्यंत चतुर्वेदी

संगठन मंत्री

श्रीमती स्वेता (सोनी) चतुर्वेदी
श्रीमती नीति चतुर्वेदी

व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री

अदिति चतुर्वेदी

कार्यकारणी सदस्य

1. श्रीमती सविता चतुर्वेदी
2. श्रीमती मंजू चतुर्वेदी
3. श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी
4. श्रीमती अमिता चतुर्वेदी

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1.श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2.श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती मीना चतुर्वेदी
4. श्रीमती अमृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गणएवं पदाधिकारी

श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी
महिला महापरिषद पश्चिम बंगाल

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद झारखंड प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,झारखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू जी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती शालिनी पांडे,झारखंड प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने झारखंड प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक मंडल

श्रीमती राजेश्वरी चतुर्वेदी

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती शालिनी पांडे

सह संयोजिका

डाक्टर श्रीमती सुमित मिश्रा

महामंत्री

दर्पणा पांडे
प्राची चतुर्वेदी

सचिव

1. शैफाली चतुर्वेदी
2 .प्रीती पांडे

सह सचिव

1.निधि चतुर्वेदी

2.मोनिका चतुर्वेदी

संगठन मंत्री

देविका चतुर्वेदी

मन्त्री

साधना पांडे

सांस्कृतिक मन्त्री

1.नेहा चतुर्वेदी

2.स्वाती चतुर्वेदी

मीडिया/आई टी प्रबंधन मन्त्री

अनु पांडे

व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री

अलका पांडे

कार्यकारणी सदस्य

कल्पना चतुर्वेदी

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1. श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती शालिनी पांडे
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,
झारखंड प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद उत्तराखण्ड प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष श्री रवि जी चतुर्वेदी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी,उत्तराखंड प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने उत्तराखंड प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है–

'संरक्षक मंडल'

1. श्रीमती विधुत प्रभा चतुर्वेदी
2. श्रीमती ऊषा मिश्रा
3. श्रीमती जूली चतुर्वेदी

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी

'सह संयोजिका'

1. श्रीमती रेखा चतुर्वेदी
2. श्रीमती क्षमा चतुर्वेदी

'महामंत्री'

श्रीमती कविता चतुर्वेदी

'मन्त्री'

1. श्रीमती रीना पाठक
2. श्रीमती अंजली चतुर्वेदी
3. श्रीमती रीना चतुर्वेदी

'संगठन मंत्री'

1. श्रीमती रेखा चतुर्वेदी
2. सुश्री करिश्मा चतुर्वेदी

'सांस्कृतिक मन्त्री'

श्रीमती नीलम पाठक

'मीडिया आई टी प्रबंधन मंत्री'

सुश्री आस्था चतुर्वेदी

'व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री'

श्रीमती निकिता चतुर्वेदी

'कार्यकारणी सदस्य'

1. श्रीमती सारिका पांडे
2. श्रीमती मधु चतुर्वेदी
3. श्रीमती स्मृति चतुर्वेदी
4. श्रीमती रचना चतुर्वेदी
5. श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी
6. श्रीमती विनीता चतुर्वेदी
7. श्रीमती विनीता चतुर्वेदी(मौली)

8. श्रीमती नीता चतुर्वेदी

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1. श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती दीपाली चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,
उत्तराखंड प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद छत्तीसगढ़ प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,प्रदेश अध्यक्ष श्री ज्ञान जी ,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती कान्ति चतुर्वेदी, छत्तीसगढ प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने छत्तीसगढ प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक मंडल

1.श्रीमती प्रतिभा चतुर्वेदी,दुर्ग
2.श्रीमती मीना चतुर्वेदी,दुर्ग

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती कान्ति चतुर्वेदी,भिलाई

सह संयोजिका

1.श्रीमती उपमा चतुर्वेदी,रायपुर
2.श्रीमती जया चतुर्वेदी,भिलाई
3.श्रीमती सीमा चतुर्वेदी रायपुर

महामंत्री

1.श्रीमती कंचन चौबे, राजनंद गांव
2.श्रीमती रंजना कृष्ण बल्लभ,बिलासपुर

मन्त्री

1.श्रीमती संगीता राकेश चौबे,कोरबा
2.श्रीमती नमिता चतुर्वेदी,वैशाली
3.श्रीमती रंजना चतुर्वेदी,रायपुर

संगठन मंत्री

1.गुड़िया सुशील अनीता, कोरबा
2.क्षमा चतुर्वेदी,चांपा
3.रश्मि चौबे,भिलाई

सांस्कृतिक मन्त्री

प्रिया चतुर्वेदी रायगढ

मीडिया आई टी प्रबंधन मंत्री

पूनम चतुर्वेदी,भिलाई

व्यवस्था प्रबंधन मंत्री

श्रीमती रागिनी चतुर्वेदी,रायपुर

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1.श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी
2.श्रीमती सुनीत चतुर्वेदी
3. श्रीमती रीता चतुर्वेदी
4.श्रीमती उर्वशी चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती कान्ति चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,
छत्तीसगढ प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद पश्चिम बंगाल की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, अध्यक्ष पश्चिम बंगाल श्री फतेहचंद चतुर्वेदी, राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी, संयोजिका

पश्चिम बंगाल द्वारा अपने प्रदेश पश्चिम बंगाल की कार्यकारणी घोषित की जाती है।

'संरक्षक मंडल'

1. श्रीमती हेमा चतुर्वेदी
2. श्रीमती रेखा चतुर्वेदी
3. श्रीमती रूपा चतुर्वेदी

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी,पश्चिम बंगाल

'सह संयोजिका'

1. श्रीमती नूतन चतुर्वेदी
2. श्रीमती रूबी चतुर्वेदी

'महामंत्री'

1. श्रीमती मोहिनी चतुर्वेदी

मंत्री'

1. श्रीमती मीनाक्षी चतुर्वेदी
2. श्रीमती कल्पना चतुर्वेदी
3. श्रीमती नेहा चतुर्वेदी

सांस्कृतिक मंत्री'

श्रीमती राखी दुष्यंत चतुर्वेदी

'संगठन मंत्री'

श्रीमती स्वेता (सोनी) चतुर्वेदी
श्रीमती नीति चतुर्वेदी

'व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री'

अदिति चतुर्वेदी

'कार्यकारणी सदस्य'

1. श्रीमती सविता चतुर्वेदी
2. श्रीमती मंजू चतुर्वेदी
3. श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी
4. श्रीमती अमिता चतुर्वेदी

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1. श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती मीना चतुर्वेदी
4. श्रीमती अमृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी
'प्रदेश संयोजिका'
श्री माथुर चतुर्वेदी
महिला महापरिषद पश्चिम बंगाल

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद उड़ीसा की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,उडीसा प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविंद चतुर्वेदी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी,उडीसा प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने उड़ीसा प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है–

संरक्षक मंडल

श्रीमती मंजुला चतुर्वेदी

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी

सह संयोजिका

1.श्रीमती निशा चतुर्वेदी
2. श्रीमती रत्ना चतुर्वेदी

महामंत्री

श्रीमती नूतन चतुर्वेदी

सचिव

श्रीमती प्राची चतुर्वेदी

सह सचिव

1.श्रीमती किरण चतुर्वेदी
2. श्रीमती पिंकी चतुर्वेदी

संगठन मंत्री

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी

मन्त्री
श्रीमती रुचिता चतुर्वेदी
सांस्कृतिक मन्त्री
श्रीमती आभा चतुर्वेदी
मीडिया/ आई टी प्रबंधन मन्त्री
श्रीमती रुचि चतुर्वेदी
व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री
श्रीमती काव्या चतुर्वेदी
कार्यकारणी सदस्य
1.श्रीमती प्रीती चतुर्वेदी
2.श्रीमती रश्मी चतुर्वेदी
विशेष आमन्त्रित सदस्य
1.श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2.श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी की समस्त संरक्षिका, पदाधिकारी गण एवं कार्यकारणी सदस्य

श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,
उडीसा

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद आन्ध्रप्रदेश तेलंगाना की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,आन्ध्रप्रदेश/तेलंगाना, अध्यक्ष श्री संतोष जी चतुर्वेदी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती कीर्ती मिश्रा प्रदेश संयोजिका, द्वारा अपने आन्ध्रप्रदेश/तेलंगाना की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक
श्रीमती निशा चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्रीमती कीर्ती मिश्रा
सह संयोजिका
श्रीमती सम्भवी चतुर्वेदी
श्रीमती शालिनी चतुर्वेदी
श्रीमती रिचा संतोष चतुर्वेदी
श्रीमती सारिका चतुर्वेदी
महामंत्री
श्रीमती चित्रा चतुर्वेदी
श्रीमती सोमा चतुर्वेदी
श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी
मंत्री
श्रीमती सुचिता चतुर्वेदी
श्रीमती आस्था चतुर्वेदी
संगठन मंत्री
श्रीमती रिचा अभिषेक चतुर्वेदी
सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री
श्रीमती नीलम चतुर्वेदी
श्रीमती पूर्ती चतुर्वेदी
मीडिया/आई. टी प्रबंधन, मन्त्री
श्रीमती दीप्ती चतुर्वेदी
मंत्री व्यवस्था प्रबंधन'
श्रीमती एकता चतुर्वेदी
विशेष आमन्त्रित सदस्य
श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
श्रीमती नीमासुधीर चतुर्वेदी
श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी की समस्त'संरक्षकागण एवं समस्त पदाधिकारीगण

श्रीमती कीर्ति मिश्रा
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,
आन्ध्रप्रदेश/तेलंगाना

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद महाराष्ट्र प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, सम्मानीय राष्ट्रीय संरक्षक महोदय श्री बृजमोहन जी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर कुमार चतुर्वेदी जी ,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती सरोज चतुर्वेदी जलगांव,महाराष्ट्र प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने महाराष्ट्र प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक मंडल

1.श्रीमती रति चौबे नागपुर
2.श्रीमती शिमला चतुर्वेदी,नासिक
3.श्रीमती मिथिलेश चतुर्वेदी मुम्बई
4.श्रीमती रचना चतुर्वेदी,मुम्बई

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती सरोज,चौबे, जलगांव

सह संयोजिका

1.श्रीमती अर्चना चौबे,जलगांव
2.श्रीमती नेहा चौबे,जलगांव
3.श्रीमती नीतू चौबे, जलगांव
4.श्रीमती ज्योति चौबे,जलगांव
5.श्रीमती नूतन चतुर्वेदी,मुम्बई

महामंत्री

1.श्रीमती मधु चौबे,जलगांव
2.श्रीमती ममता चौबे जलगांव

मन्त्री

1.श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी मुम्बई
2.श्रीमती प्रीती चतुर्वेदी,मुम्बई
3.श्रीमती रुची चतुर्वेदी मुम्बई

सचिव

1.श्रीमती सुमन चतुर्वेदी,मुम्बई
2. श्रीमती चित्रा चौबे,जलगांव

सहसचिव

1.श्रीमती हेमलता चौबे,जलगांव
2.श्रीमती संगीता चौबे,जलगांव
3.श्रीमती स्मिता चौबे,जलगांव

संगठन मंत्री

1.श्रीमती साधना चौबे,भुसावल
2.श्रीमती संगीता चौबे,भुसावल
3.श्रीमती सारिका चतुर्वेदी, नागपुर

सांस्कृतिक मन्त्री

1.श्रीमति प्रियंका चौबे,पुणे
2.श्रीमती ईरा चतुर्वेदी,पुणे

मीडिया आई टी प्रबंधन मंत्री

1.दीप्ति चौबे,मुम्बई
2.शुभांगी चौबे जलगांव

व्यवस्था प्रबंधन मंत्री

1.श्रीमती सुचेता चौबे,जलगांव
2.श्रीमती मंजू चतुर्वेदी एडवोकेट, गोदिया

कार्यकारिणी सदस्य

1.श्रीमती शानू चतुर्वेदी,मुम्बई
2.सुश्री रोली चतुर्वेदी,मुम्बई
3.सुश्री नेहा चतुर्वेदी,मुम्बई
4.श्रीमती सौम्या चतुर्वेदी ,ठाणे,मुम्बई
5.श्रीमती शुभ्रा चतुर्वेदी,गोदिया

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1.श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी, मुम्बई
2.श्रीमती डौली चौबे नागपुर
3. श्रीमती अनीता चतुर्वेदी मुंबई

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती सरोज चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,महाराष्ट्र प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,मध्यप्रदेश अध्यक्ष श्री तरुण चतुर्वेदी जी,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती दीपा चतुर्वेदी मध्यप्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने मध्यप्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

संरक्षक

1. श्रीमती शशी चतुर्वेदी,ग्वालियर
2. श्रीमती शोभा चतुर्वेदी,अनूपपुर
3. श्रीमती मीना चतुर्वेदी,कोतमा
4. श्रीमती रीता चतुर्वेदी,सागर

प्रदेश संयोजिका

श्रीमती दीपा चतुर्वेदी,ग्वालियर

सहसंयोजिका

1. श्रीमती सरिता चतुर्वेदी,जबलपुर
2. श्रीमती रोली चतुर्वेदी,ग्वालियर
3. सीमा चतुर्वेदी,सागर

महामंत्री

1. श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी,ग्वालियर
2. श्रीमती मीनू चतुर्वेदी उचाड

सचिव

1. श्रीमती शुभांगी चतुर्वेदी,ग्वालियर
2. श्रीमती पूर्ती चतुर्वेदी,ग्वालियर

सहसचिव

1.श्रीमती शीला चतुर्वेदी,ग्वालियर
2.श्रीमती रेनू चतुर्वेदी,ग्वालियर
3.श्रीमती विनीता चतुर्वेदी,भोपाल

मंत्री

1. श्रीमती सुदीप्ता चतुर्वेदी,जबलपुर
2. श्रीमती आरती चतुर्वेदी,ग्वालियर
3. श्रीमती दिव्या,चतुर्वेदी,ग्वालियर

संगठन मंत्री

1. श्रीमती रीता चतुर्वेदी,रीवा
2. श्रीमती आशा चतुर्वेदी,रीवा

सांस्कृतिक कार्यक्रम मंत्री

1. श्रीमती प्रेरणा चतुर्वेदी, ग्वालियर
2. श्रीमती अनीता मुकेश चतुर्वेदी, ग्वालियर

मीडिया/आई. टी प्रबंधन, मन्त्री

श्रीमती शेफाली चतुर्वेदी, ग्वालियर

मंत्री व्यवस्था प्रबंधन

श्रीमती संध्या चतुर्वेदी, ग्वालियर

कार्यकारिणी सदस्य

1. श्रीमती पिंकी चतुर्वेदी,उचाड
2. श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, रीवा
3. श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी, इन्दौर
4. श्रीमती अलका चतुर्वेदी, ग्वालियर
5. श्रीमती अर्चना चतुर्वेदी, भोपाल
6. श्रीमती दीपा चतुर्वेदी, भोपाल

विशेष आमन्त्रित सदस्य

1. श्रीमती कविता पांडे, भोपाल
2. श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी, ग्वालियर
3. श्रीमती पूनम (चिन्ना)चतुर्वेदी, भोपाल

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी की समस्त संरक्षिकागण एवं समस्त पदाधिकारीगण

श्रीमती दीपा चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद, मध्यप्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद उत्तरप्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी, सम्मानीय राष्ट्रीय संरक्षक महोदय श्री सुबोध चन्द जी उत्तरप्रदेश अध्यक्ष श्री सुजीत चतुर्वेदी जी,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती पलक चतुर्वेदी इटावा,उत्तरप्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने उत्तरप्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

'संरक्षक मंडल'

1.श्रीमती मंजू चतुर्वेदी,लखनऊ
2.श्रीमती पुष्पा चतुर्वेदी,जसवंतनगर
3.श्रीमती महिमा चतुर्वेदी,इटावा
4.श्रीमती ऊषा चतुर्वेदी
5.श्रीमती रागिनी चतुर्वेदी,लखनऊ
6 श्रीमती शालिनी चतुर्वेदी आगरा
7.श्रीमती पदमा चतुर्वेदी,इटावा
8.श्रीमती सुधा चतुर्वेदी,लखनऊ
9.श्रीमती गायत्री देवी चतुर्वेदी,लखनऊ
10.श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी,गाजियाबाद
11.श्रीमती विपिन चतुर्वेदी,आगरा
12.श्रीमती मीरा चतुर्वेदी,आगरा

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती पलक चतुर्वेदी, इटावा

'सह संयोजिका'

1. श्रीमती सुनयना चतुर्वेदी,लखनऊ
2. श्रीमती रेनू चतुर्वेदी,डिबियापुर
3. श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी,आगरा
4. श्रीमती मधु सतीश चतुर्वेदी,इटावा
5. श्रीमती रुचि चतुर्वेदी,मथुरा
6. श्रीमती अनुराधा चतुर्वेदी नोएडा
7. श्रीमती अंजली चतुर्वेदी मैनपुरी

महामंत्री

1.श्रीमती शशी चतुर्वेदी,कानपुर
2.श्रीमती पायल चतुर्वेदी,इटावा
3.श्रीमती अर्पिता चतुर्वेदी गाजियाबाद

'मन्त्री'

1.श्रीमती पारुल चतुर्वेदी,आगरा
2.श्रीमती मधु चतुर्वेदी,आगरा
3.श्रीमती शिल्पी(जिम्मी) लखनऊ

'सचिव'

1.श्रीमती मधु चतुर्वेदी,इटावा
2. श्रीमती सुनीता चतुर्वेदी,आगरा

'सहसचिव'

1.श्रीमती समिता चतुर्वेदी,गाजियाबाद
2.श्रीमती देवयानी चतुर्वेदी

'संगठन मंत्री'

1. श्रीमती अनीता चतुर्वेदी इटावा
2. श्रीमती महिमा चतुर्वेदी कानपुर

'सांस्कृतिक मन्त्री'

1.श्रीमती राखी चतुर्वेदी,इटावा

'मीडिया आई टी प्रबंधन मंत्री'

1.श्रीमती संध्या चतुर्वेदी इटावा

'व्यवस्था प्रबंधन मंत्री'

1.श्रीमती रीता चतुर्वेदी, इटावा
2. श्रीमती करुणा चतुर्वेदी,इटावा

'कार्यकारिणी सदस्य'

1.श्रीमती मंजू चतुर्वेदी,रनिया
2.श्रीमती अनुराधा चतुर्वेदी आगरा
3.श्रीमती अंजू चतुर्वेदी फरौली
4.श्रीमती दीपा चतुर्वेदी,मैनपुरी

5 श्रीमती,शिखा चतुर्वेदी बनारस
6.श्रीमती गीता चतुर्वेदी बरेली
7. श्रीमती गुंजन चतुर्वेदी टूडंला
8.श्रीमती रानो चतुर्वेदी,हाथरस
9.श्रीमती रेनू चतुर्वेदी अलीगढ
10.श्रीमती चारू चतुर्वेदी,आगरा
11.सुश्री चेतना चतुर्वेदी बाह
12.श्रीमती निधि चतुर्वेदी रामपुर
13.श्रीमती शिप्रा चतुर्वेदी कानपुर

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1.श्रीमती साधना चतुर्वेदी,लखनऊ
2.श्रीमती विनीता चतुर्वेदी,इटावा
3.श्रीमती मोहिता चतुर्वेदी,कानपुर
4.सुश्री अल्पा चतुर्वेदी आगरा

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी की समस्त संरक्षकागण एवम समस्त पदाधिकारी

श्रीमती पलक चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,उत्तरप्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद कर्नाटक की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष श्री मृदुल कान्त चतुर्वेदी ,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती खूशबू चतुर्वेदी,कर्नाटक प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने कर्नाटक प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

'संरक्षक मंडल'

श्रीमती रेखा चतुर्वेदी

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती खुशबू चतुर्वेदी

'सह संयोजिका'

श्रीमती निधि चतुर्वेदी

'महामंत्री'

श्रीमती रूपम चतुर्वेदी

'सचिव'

श्रीमती शुभांगी चतुर्वेदी

'सह सचिव'

श्रीमती गरिमा चतुर्वेदी

'संगठन मंत्री'

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी

'मन्त्री'

श्रीमती रेखा चतुर्वेदी बंगलौर

'सांस्कृतिक मन्त्री'

श्रीमती श्वेता चतुर्वेदी

'मीडिया/आई टी प्रबंधन मन्त्री'

श्रीमती निर्मला चतुर्वेदी

'व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री'

श्रीमती अलका चतुर्वेदी

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1.श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी की समस्त संरक्षका, पदाधिकारी गण एवं कार्यकारणी सदस्य

श्रीमती खुशबू चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद, कर्नाटक

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद पंजाब प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,पंजाब प्रदेश अध्यक्ष श्री किशन जी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती कुमुद चतुर्वेदी,पंजाब प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने पंजाब प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

'संरक्षक मंडल'

श्रीमती शकुन्तला देवी चतुर्वेदी

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती कुमुद चतुर्वेदी चंडीगढ

'सह संयोजिका'

1.श्रीमती शैली चतुर्वेदी

2.श्रीमती मीनाक्षी चतुर्वेदी

'महामंत्री'

1. श्रीमती अंजली चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीता चतुर्वेदी

'सचिव'

श्रीमती विनीता चतुर्वेदी

'सह सचिव'

श्रीमती मोनिका चतुर्वेदी

'मंत्री'

श्रीमती वंदना चतुर्वेदी

सांस्कृतिक व्यवस्था एवं मंच संचालन मन्त्री

श्रीमती रवनीत चतुर्वेदी

'कार्यकारणी सदस्य'

1. श्रीमती रूहानी
2. श्रीमती सोम्या
3. श्रीमती नेहा चतुर्वेदी

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1. श्रीमती माधवी चतुर्वेदी
2. श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी
3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती कुमुद चतुर्वेदी
प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,पंजाब प्रदेश

माथुर चौबे महिमा

बाराह पुराण में माथुर चौबे की महिमा का बखान किया गया है। उनमें से प्रमुख श्लोकों का हिन्दी अनुवाद प्रस्तुत है। बाराह पुराण अध्याय १६३ श्लोक ५४,५५, व ५६ का अनुवाद भगवान श्री राम ने विभीषण के प्रति कहा है–

शत्रुध्न लवणासुर को मारकर मथुरापुरी में प्रवेश किया तब मेरे समान (रामचंद्र जी के समान) महातेजस्वी ब्रह्मणों को स्थापित किया । जो छब्बीस हजार ब्राह्मण बेद– बेदांग में पारंगत सामवेदी वरन चतुर्वेदी थे । एक माथुर चतुर्वेदी को जिमाने से कोटि ब्राह्मण जिमाने के समान पुण्य होता है।

बाराह पुराण अध्याय १६५ श्लोक ६३,६५ व ६६ का अनुवादः – जो दूसरे हजार महात्मा ब्राह्मणों के पूजन का फल होता है वह सम्पूर्ण फल केवल एक माथुर ब्राह्मण के पूजन से होता है। सब तीर्थ, पुन्य स्थान और मंगल जहाँ माथुर ब्राह्मण रहते है, वहाँ निवास करते हैं। माथुर वासियों को सब लोग चतुर्भुज रुप (भागवान का रुप) देखें । मथुरा वासी चतुर्वेदी ब्राह्मण विष्णु रुप ही है। बारह पुराण अध्याय १६६ श्लोक ३० व ३३ का अनुवाद श्री कृष्ण भगवान गरुड़ से कहते हैं कि हे गरुड़ माथुरों का रूप मेरा ही रूप है, जिनकी पूजा करने से मैं सर्वदा संतुष्ट होता हूँ।

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद बिहार प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी ,राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती माधुरी चतुर्वेदी,बिहार प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने बिहार प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

'संरक्षक मंडल'

1.श्रीमती अभयलता चतुर्वेदी

2.श्रीमती सुशीला पाण्डेय

'प्रदेश संयोजिका'

श्रीमती माधुरी चतुर्वेदी

'सह संयोजिका'

1.श्रीमती अर्चना मुकेश चतुर्वेदी

2.श्रीमती रेखा चतुर्वेदी

'महामंत्री'

श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी

'मन्त्री'

1.श्रीमती तनुजा चतुर्वेदी

2.श्रीमती अनुपम चतुर्वेदी

'सांस्कृतिक मन्त्री'

सुश्री समृद्धि चतुर्वेदी

'कार्यकारणी सदस्य'

1.श्रीमती अर्चना सौरभ चतुर्वेदी

2. श्रीमती नेहा चतुर्वेदी

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1.श्रीमती माधवी चतुर्वेदी

2.श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी

3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

राष्ट्रीय महिला कार्यकारणी के समस्त संरक्षक गण एवं पदाधिकारी

श्रीमती माधुरी चतुर्वेदी
प्रदेश अध्यक्ष
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद बिहार

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद हरियाणा प्रदेश की कार्यकारिणी

माननीय राष्ट्रीय सभापति महोदय श्री नीरज जी,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री प्रणव जी,हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष श्री धीरज कुमार चतुर्वेदी जी चतुर्वेदी राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती माधवी जी एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगठन महिला श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी की सहमति से श्रीमती पूनम चतुर्वेदी,हरियाणा प्रदेश संयोजिका,द्वारा अपने हरियाणा प्रदेश की कार्यकारणी घोषित की जाती है

'संरक्षक मंडल'

श्रीमती ममता चतुर्वेदी, गुरूग्राम

श्रीमती पुष्पा देवी चतुर्वेदी, गुरुग्राम

'प्रदेश संयोजिका'– श्रीमती पूनम चतुर्वेदी गुरुग्राम

'सह संयोजिका'

1.श्रीमती वीनू चतुर्वेदी,गुरूग्राम

2.श्रीमती गीता चतुर्वेदी,गुरुग्राम

'महामंत्री'

1.श्रीमती राखी चतुर्वेदी,गुरुग्राम

2.श्रीमती शिप्रा चतुर्वेदी,गुरुग्राम

'सचिव'– श्रीमती अलका चतुर्वेदी, गुरूग्राम

'सह सचिव'– श्रीमती प्रिया चतुर्वेदी,पानीपत

'मंत्री'– श्रीमती सौम्या चतुर्वेदी, गुरूग्राम

'मीडिया प्रभारी'– श्रीमती प्रिया चतुर्वेदी,गुरुग्राम

'सांस्कृतिक,व्यवस्था एवं मंच'
'संचालन मन्त्री'

श्रीमती हर्षिता चतुर्वेदी, फरीदाबाद

'कार्यकारणी सदस्य'

1.श्रीमती राशी चतुर्वेदी,गुरुग्राम

2. श्रीमती निधि चतुर्वेदी, गुरुग्राम

3.श्रीमती तनवी चतुर्वेदी, फरीदाबाद

श्रीमती रचना चतुर्वेदी, गुरुग्राम

'विशेष आमन्त्रित सदस्य'

1.श्रीमती माधवी चतुर्वेदी

2.श्रीमती नीमा सुधीर चतुर्वेदी

3. श्रीमती अंलकृता चतुर्वेदी

4. पूनम चतुर्वेदी

प्रदेश संयोजिका
श्री माथुर चतुर्वेदी महिला महापरिषद,हरियाणा प्रदेश

श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजन समिति की बैठक सम्पन्न

उक्त समिति की प्रथम बैठक वर्चुअल रूप से संपन्न हुई। मीटिंग की अध्यक्षता सभापति श्री नीरज चतुर्वेदी जी ने की।

आयोजन समिति के संयोजक श्री राम निवास चतुर्वेदी मुरैना ने अब तक किए गए संपर्कों ब प्रगति रिपोर्ट के संदर्भ में प्रकाश डाला व सभी पदाधिकारियों से इस संबंध में विस्तृत चर्चा की।

सभी इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाते हुए अपने गांव/शहरों में व्यापक प्रचार प्रसार कर विवाह योग्य युवक युवतीयो के परिजनों से चर्चा कर 31 मार्च जोड़े तैयार करने में अपना योगदान जिम्मेदारी से प्रदान करें।

साथ ही हम सबको मिलकर इस प्रथम सामाजिक पहल को सफल बनाने की दिशा में आगे बढ़ना है।

नाशिक मीटिंग में इस की विधिवत घोषना की जानी है।

इस आयोजन के लिए समाज के प्रबुद्ध जनों से सुझाव व पूर्ण सहयोग आवश्यक है।

सामाजिक जागृति के लिए व बैवाहिक समस्या समाधान की दिशा में महापरिषद का प्रथम प्रयास है।

हम प्रथम पंक्ति में आने वाले भी इस अयोजन का हिस्सा बन एक उदाहरण बनने का सदप्रयास करें।

सुयोग्य जोड़ो के साथ, हम इस सम्मेलन में उम्रदराज युबक/युबती जोड़ो व ईश्वरीय आपदा के चलते बिछड़े हुए जनों या तलाकशुदा के पुनर्विवाह हेतु जोड़ो को भी आमंत्रित करते है।

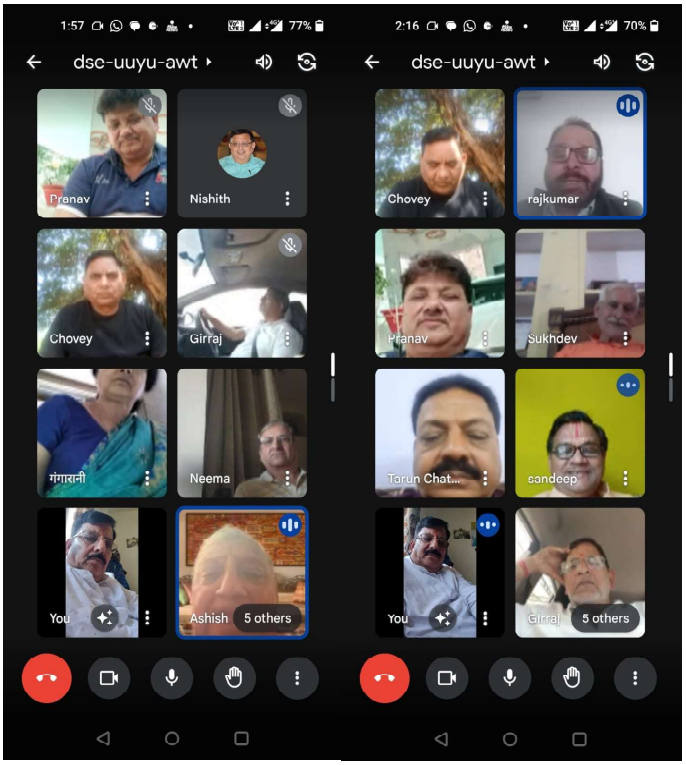

संकुचित सोच से हमे निकल कर नई दिशा की ओर एक कदम बढ़ाना ही चाहिए। समय के साथ परिवर्तन व ऐसे आयोजनों का अब सही समय है।

आप अपनी राय से भी हमारा मार्ग अवश्य प्रशस्त करें। सभी को पालागन/जय श्री कृष्णा।

राम निवास चतुर्वेदी
संयोजक
एवम सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन समिति

जीवन के कुछ गूढ़ रहस्य

पहले भटूरे को फुलाने के लिये उसमें ईनो डालिये। फिर भटूरे से फूले पेट को पिचकाने के लिये ईनो पीजिये।

जीवन के कुछ गूढ़ रहस्य आप कभी नहीं समझ पायेंगे।

पांचवीं तक स्लेट की बत्ती को जीभ से चाटकर कैल्शियम की कमी पूरी करना हमारी स्थाई आदत थी लेकिन इसमें पापबोध भी था कि कहीं विद्यामाता नाराज न हो जायें!!!

पढ़ाई के तनाव हमने पेन्सिल का पिछला हिस्सा चबाकर मिटाया था...!!! पुस्तक के बीच पौधे की पत्ती और मोरपंख रखने से हम होशियार हो जाएंगे। ऐसा हमारा दृढ़ विश्वास था।

कपड़े के थैले में किताब–कॉपियां जमाने का विन्यास हमारा रचनात्मक कौशल था!!! हर साल जब नई कक्षा के बस्ते बंधते तब कॉपी किताबों पर जिल्द चढ़ाना हमारे जीवन का वार्षिक उत्सव मानते थे!!!

माता – पिता को हमारी पढ़ाई की कोई फिक्र नहीं थी, न हमारी पढ़ाई उनकी जेब पर बोझा थी। सालों साल बीत जाते पर माता – पिता के कदम हमारे स्कूल में न पड़ते थे!!!

एक दोस्त को साईकिल के बिच वाले डंडे पर और दूसरे को पीछे कैरियर पर बिठा हमने कितने रास्ते नापें हैं, यह अब याद नहीं बस कुछ धुंधली सी स्मृतियां हैं!!!

स्कूल में पिटते हुए और मुर्गा बनते हमारा ईगो हमें कभी परेशान नहीं करता था दरअसल हम जानते ही नही थे कि, ईगो होता क्या है।

पिटाई हमारे दैनिक जीवन की सहज सामान्य प्रक्रिया थी। पीटने वाला और पिटने वाला दोनो खुश थे, पिटने वाला इसलिए कि हमे कम पिटे, पीटने वाला इसलिए खुश होता था कि हाथ साफ हुआ!!!

हम अपने माता–पिता को कभी नहीं बता पाए कि हम उन्हें कितना प्यार करते हैं, क्योंकि हमें ष्आई लव यूष कहना आता ही नहीं था!!!

आज हम गिरते–सम्भलते, संघर्ष करते दुनियां का हिस्सा बन चुके हैं, कुछ मंजिल पा गये हैं तो कुछ न जाने कहां खो गए हैं!!! हम दुनिया में कहीं भी हों लेकिन यह सच है, हमे हकीकतों ने पाला है, हम सच की दुनियां में थे ...!!!

कपड़ों को सिलवटों से बचाए रखना और रिश्तों को औपचारिकता से बनाए रखना हमें कभी आया ही नहीं ... इस मामले में हम सदा मूर्ख ही रहे ...!!!

अपना अपना प्रारब्ध झेलते हुए हम आज भी ख्वाब बुन रहे हैं, शायद ख्वाब बुनना ही हमें जिन्दा रखे है वरना जो जीवन हम जीकर आये हैं उसके सामने यह वर्तमान कुछ भी नहीं!!!

हम अच्छे थे या बुरे थे पर हम सब साथ थे काश वो समय फिर लौट आए!!!

एक बार फिर अपने बचपन के पन्नो को पलटिये, सच में फिर से जी उठेंगे।

और अंत में ...

हमारे पिताजी के समय में दादाजी गाते थे–

मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा

हमारे जमाने में हमने गाया ...

पापा कहते है बड़ा नाम करेगा

अब हमारे बच्चे गा रहे हैं–

बापू सेहत के लिए तू तो हानिकारक है

सही–वास्तव में हम कहाँ से कहाँ आ गए ...?

एक बार मुड़ कर तो देखिये ... दोस्तो।

साभार

पैसा

पैसा नहीं तो कुछ नहीं सुख नहीं चौन नहीं घर में राशन
नहीं तो खाना बना नहीं खाना खाया नहीं ऐसा जीवन
जीना नही
बिना पैसा इज्जत नहीं
पढ़ाई बेकार, सुन्दरता बेकार
पैसा बिना सब है बेकार
सुबह की चिंता शाम की चिंता,
क्या करेंगे उसकी चिंता
नहीं लगता है कहीं मन क्यों कि
जिस के पास में नहीं है धन
कहते हैं पैसा सब कुछ नहीं
पर पैसा बिना कुछ भी नहीं
मैंने निर्धन लोगों को देखा है
इसलिए मेरा यही है मानना कि पैसा नहीं तो कुछ नहीं
घर में होता है कलह
बिना पैसा घर में नहीं है चहल–पहल
अच्छा इलाज नहीं अच्छा खाना नहीं
बिना पैसा कहीं आना जाना नहीं
मानव जीवन मिलता है एक बार
पर पैसा बिना सब है बेकार
मेरा है मानना और सभी से है कहना
मेहनत करके पैसा कमाओ मेरे भाई बहना
खाली बैठना किस काम का
बिना पैसा जीवन किस काम का
मानव उठो काम करो क्योंकि
पैसा है तो सब है पैसा नहीं तो कुछ नहीं
गरीबी में जीना क्या जीना
अब स्वयं विचार करना कैसा जीवन जीना
भाई नहीं बहन नही, बिना पैसा कोई रिश्तेदार नहीं
बिना पैसा कोई नहीं अपना, सुन लो मेरे भाई बहना।

रेखा चतुर्वेदी
मसूरी उत्तराखण्ड

होली का त्योहार .....।

ढोलक ढोल मंजीरे बाजे,होली का त्योहार।
फाग फबीला लेकर आया,होली का त्योहार ।
घर घर में हंसी ठिठोली,होली का त्योहार।
फूलों की खूशबू सा फैलें होली का त्योहार।
मोहब्बत का पैगाम देती,होली का त्योहार ।
नील गगन पै रंगी रंगोली,होली का त्योहार।
मचलें हृदय में स्वर्ग की आशा,
सांझ का सभ्य आचार।
रंग–बिरंगी रंगों की आभा,होली का त्योहार।
भाईचारा के आंगन में मानवता की ज्योति,
भारत के इतिहास में यहीं पुरानी रीति।
नाच उठा खुशियां बांटें,यह पूरा संसार
ढोलक ढोल मंजीरे बाजे होली का त्योहार।
बच्चे बूढ़े नर औ नारी रंगों में सराबोर,
दिल के दरिया में बहें घर घर में संस्कार।
मन में सबके बिखरें नम्रता का व्यवहार,
मदहोश उन्मुक्त हुआ मन का ये दरबार।
नाच उठा खुशियों से यह पूरा संसार,
ढोलक ढोल मंजीरे होली का त्योहार।।

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94, चौबान मुहल्ला जिला फिरोजाबाद
उत्तर प्रदेश पिन कोड 283203

वीणा झंकृत कर दो मां...

ऐसी वीणा झंकृत कर मां,
रोम रोम नर्तित हो।
इतना गुंजित हो जाए स्वर,
कलि का स्वर खर्वित हो ।
कर दे माता
विमल प्राण मन
लोभ मोह कट जाए।
हारे थके अपाहिज जन भी,
नूतन आशा पाए।
पाप शांत हो,
त्रास शांत हो,
सबका मन निर्मल हो,
कण्ठ कण्ठ में,
हे वरदायिनि,
जन गण मंगल स्वर हो
हे वरदायिनी
मां सरस्वती
ऐसी वीणा झंकृत कर दो
रोम रोम पुलकित हो।

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94, चौबान मुहल्ला
जिला फिरोजाबाद उत्तर
प्रदेश पिन कोड 283203

जाड़े का मौसम

कविता शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
जाड़े का मौसम आया,
तेज ठंड के संग,
शीतल लहर भी लाया,
ठंडी ऋतु रानी के संग ।
घना घना कोहरा छाए,
कुहासे का मौसम लाए।
ओस की रिमझिम बुंदे,
बारिश जैसी दिखलाएं।
कांपते हाथ पैर सभी,
तेज ठंड चेतावनी लाए।
घना घना कोहरा छाए,
हल्की अंधेरी बदरिया छाए ।
गर्म चाय, चटपटे पकोड़े खाए ,
जाड़े का मौसम आए ।
आलस तन में छा जाएं
काम में मन ना लग पाए ।
धूप में बैठे बैठे बातें बतलाए ।
पीएं चाय काफी सूप ,
निकलतीं कम है धूप।
शीत मारती तीर,
बढ़ रही नित पीर।
ठंड बढ़ाता है नीर,
बाजरे मक्के रोटी
स्वाद भरी मोटी–मोटी।
गुड़ संग खाएं,
छोटी–छोटी गजक रेवड़ी ।
ऋतु स्वास्थ्य सच्चा मीत,
चाय अदरक की रीत।
चमकती ओस बूंदें ,
मन को बहुत भाएं।
जाड़े का मौसम आएं,
कोहरा खूब छा जाएं।।

शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी
94, चौबान मुहल्ला जिला फिरोजाबाद
उत्तर प्रदेश पिन कोड 283203

शोक संवदेना

–श्रीमती प्रमिला चतुर्वेदी (बच्चो) पत्नी श्री संतोष चतुर्वेदी (फर्रूखाबाद/लखनऊ) का निधन आज 10 जनवरी को लखनऊ में हो गया है।

–श्री मधुर दास चतुर्वेदी करेंटी/मुंबई का देहावसान जनवरी की रात्रि 10.40 को अधिकारी हॉस्पिटल, Boisar (East) में हो गया है

–श्रीमती प्रथमा पाण्डेय (बल्लर) पत्नी श्री अशोक पाण्डेय निवासी– पुरा कन्हैरा का स्वर्गवास आज दिनांक 16–01–24 को लगभग सायं 6 बजे आगरा में हो गया है ।

–आज दिनांक 17 जनवरी 2024 को प्रातः सुरेंद्रनाथ जी का (गाजीपुर/बरेली कटघर किला) दुखद निधन हो गया। भगवान मृत आत्मा को शांति दे और परिवार को इस असीम दुख को सहने की क्षमता दे।

–प्रिय भाई शिशिर चतुर्वेदी(करुणेश) जी पुत्र स्व.शरद चतुर्वेदी (मुरली चाचा) मिश्राना मोहल्ला मैनपुरी का निधन लगभग 56 वर्ष की आयु में मैनपुरी निवास पर दिनांक 17–01–2024 को प्रातः 5.30 बजे हो गया है आप सीमा सुरक्षा बल के कमांडेंट पद से स्वैक्षिक सेवानिवृति प्राप्त करके मैनपुरी में ही निवास कर रहे थे आप को सेवा काल में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित भी किया गया था।

–गोलू पुत्र प्रभात चतुर्वेदी (गुड्डू) निवासी होलीपुरा का लगभग 25 वर्ष की अल्पायु में आकस्मिक निधन दिनांक 18 जनवरी 24 को गुड़गांव में हो गया है।

–श्रीमती शोभा चतुर्वेदी पत्नी स्व सुशील चतुर्वेदी (तस्वीर वाले) का 19 जनवरी की सुबह मथुरा में निधन हो गया है।

–दिनांक 18 जनवरी को श्री विनोद चतुर्वेदी गोहद प्रवासी चन्द्रपुर/पिनाहट निवासी का स्वर्गवास हो गया।

–श्रीमती अनिता पाठक पत्नी श्री नितिन पाठक गुड की मंडी आगरा/कानपुर का स्वर्गवास 23 जनवरी को गाजियाबाद मे हो गया है।

–श्रीमती शकुन्तला चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय कौशल किशोर जी का निधन लगभग 88 वर्ष की उम्र में 22 जनवरी की रात्रि लगभग 9 बजे हरदोई में हो गया है।

–श्री अतुल नाथ मिश्र (दिलीप) सुपुत्र स्व0 अमर नाथ मिश्र एवं स्व श्रीमती बहनोली (पार्क रोड) का देहांत 22–23 जनवरी की रात्रि 11 बजे लखनऊ में हो गया है।

–अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहा हूं कि श्रीमती प्रमोदिनी देवी पत्नी स्वर्गीय श्री सतीश चंद्र चतुर्वेदी होलीपुरा/आगरा का देहांत दिनांक 24 जनवरी 2024 को आगरा में हो गया है।

–दीपांक चतुर्वेदी (चंचल) सुपुत्र स्वर्गीय प्रदीप चतुर्वेदी (विट्टन) का दिनांक 24 जनवरी 24 को अल्पायु में देहरादून में असमयिक स्वर्गवास हो गया।

–श्री अशोक जी सुपुत्र स्व० मुन्नालाल जी कछपुरा/पूना का लगभग 70 वर्ष की आयु में 26 जनवरी की रात पूना में हृदयाघात से निधन हो गया।

– न्यायमूर्ति वशिष्ठ जी पुत्र स्वर्गीय प्रताप सिंह जी फिरोजाबाद/प्रयागराज का लंबी बीमारी के बाद 26 जनवरी 24 की सुबह प्रयागराज में निधन।

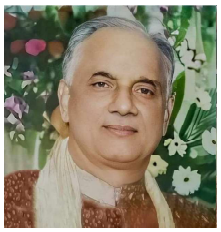

–शशिकांत चतुर्वेदी ददे (चंद्रपुर) का अपने आगरा स्थित निवास पर आकस्मिक निधन दिनांक 27 जनवरी को हो गया है।

शोक संवदेना

–श्री अभय चतुर्वेदी पुत्र स्वर्गीय परमानंद चतुर्वेदी फिरोजाबाद/फर्रुखाबाद/एटा का दिनांक 29 जनवरी 24 को लंबी बीमारी के बाद एटा में निधन हो गया।

–श्रीमती हेमलता चतुर्वेदी (आंटीजी), पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मण दास चतुर्वेदी (धौनी जी) चंद्रपुर/दिल्ली का स्वर्गवास 29 जनवरी को रात्रि लगभग 12.40 बजे दिल्ली में हो गया है।

–श्री जसवंत सिंह चतुर्वेदी (होलीपुरा/कोलकाता/भोपाल) का स्वर्गवास दिनांक 31 जनवरी 2024 को भोपाल में हो गया।

–श्री उमेश चंद्र पुत्र स्व देवकृष्ण चतुर्वेदी (उज्जैन/तरसोखर) एम0पी0 सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक का स्वर्गवास 1 फरवरी 2024 को प्रातः उज्जैन में 85 वर्ष की उम्र में हो गया है ।

–श्रीमती छमा चतुर्वेदी पत्नी श्री राजीव चतुर्वेदी,चाणक्य पूरी (आगरा)का स्वर्गवास दिनांक 2 फरबरी 2024 को आगरा में हो गया है। आप युवा मंच आगरा के अध्यक्ष सिद्धार्थ चतुर्वेदी जी की माता जी थीं।

–श्रीमती उषा जी धर्म पत्नी श्री पवन मिश्रा/ गोलू जी (चन्द्रपुर/दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 3 फरबरी 2024 को प्रातः ६ बजे दिल्ली में घर पर देहांत हो गया है ।

–श्री त्रिलोकी नाथ जी तिवारी (चंद्रवार/ग्वालियर)का देहावसान दिनांक 3 फरबरी 2024 को ग्वालियर में अपने पुत्र अजय तिवारी के पास हो गया है।

–श्रीमती श्रेष्ठा चतुर्वेदी पत्नी श्री देवेन्द्र कुमार चतुर्वेदी उर्फ गुल्लू चौबे फुलट्टी बाजार आगरा का निधन दिनांक 13 फरबरी 2024 को आगरा में हो गया है।

–श्रीमती सविता चतुर्वेदी पत्नी श्री रमाकांत चतुर्वेदी (भरतपुर/नोएडा) का निधन आज 15 फरबरी 202 नोएडा में हो गया है।

–श्री राजीव चतुर्वेदी (रिटायर्ड डी.एस.पी.), भोपाल (मूल निवासी मैनपुरी) का आकस्मिक देहवसान 17 फरबरी 2024 की शाम को 6.30 बजे हो गया है।

–श्रीमती मीनाक्षी चतुर्वेदी, पत्नी स्वर्गीय श्री संतोष चतुवेर्दी, अनूप शहर/आगरा निवासी का स्वर्गवास दिनांक 19 फरबरी 2024 की रात्रि 11.34 बजे लम्बी बीमारी के बाद हो गया है।

–मनोज चतुर्वेदी तरसोखर/कानपुर (मयूर उत्सव अपार्टमेंट सिंहपुर) का रीजेंसी अस्पताल कानपुर में इलाज के दौरान 20 फरबरी 2024 की रात्रि को दुखद निधन हो गया।

–श्री ओंकार नाथ जी (होली पुरा/फरीदीनगर) का 21फरवरी को लखनऊ में स्वर्गवास हो गया। आप संजय जी,गौरव जी के पिताजी थे।

–ईश्वर दिवंगत पुण्य आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें एवं इनके परिवार को इस गहन दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

ओम शांति शांति ओम

गौरव के पल

पंडित सुरेश नीरव को मिला जर्मनी का मैक्समूलर एवार्ड

अखिल भारतीय सर्वभाषा संस्कृति समन्वय समिति के वैश्विक अध्यक्ष हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकार पंडित सुरेश नीरव को विगत दिनों, जर्मनी के प्रतिष्ठित संस्थान लिटररी एरयूडाइट ने अपने अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मैक्स मूलर एवार्ड से अलंकृत किया है। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत होने वाले पंडित सुरेश नीरव प्रथम भारतीय हैं। इससे पहले पंडित सुरेश नीरव को सुलभ साहित्य अकादमी के पांच लाख रुपये की सम्मान राशि वाले श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान से भी अलंकृत किया जा चुका है। बहुत समय तक हिंदुस्तान टाइम्स की प्रतिष्ठित साहित्यिक पत्रिका कादम्बिनी के संपादन मंडल से संबद्ध रहे श्री नीरव आजकल आप बहुराष्ट्रीय पत्रिका प्रज्ञान विश्वम के प्रधान संपादक हैं।

ईशा चतुर्वेदी ने वाराणसी में आयोजित ऑल इंडिया संस्कृत गूगल स्लाइड प्रेजेंटेशन एवं उसकी प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया

आपको सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि कुमारी ईशा चतुर्वेदी ने दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी के द्वारा वाराणसी में आयोजित ऑल इंडिया संस्कृत गूगल स्लाइड प्रेजेंटेशन (Google slide presentation) एवं उसकी प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह एक तात्कालिक (on the Spot) प्रतियोगिता थी जिसमें प्रतिभागी को Google Slide presentation बनाना था, तत्पश्चात चतमेमदजंजपवद को सबके समक्ष संस्कृत भाषा में व्याख्या के साथ प्रस्तुत करना था। इस प्रतियोगिता में देश के 80 दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) के बच्चों ने भाग लिया था। कुमारी ईशा चतुर्वेदी ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा का प्रतिनिधित्व किया था।

कुमारी ईशा चतुर्वेदी, श्री अशोक कुमार चतुर्वेदी (तालगांव) एवं श्री मती संन्ध्या चतुर्वेदी (मैनपुरी) की पौत्री एवं श्री आशुतोष चतुर्वेदी (तालगांव) एवं श्री मती ईला चतुर्वेदी (फिरोजाबाद) की सुपुत्री हैं ।

उत्तर प्रदेश में डाटा सेंटर और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने के लिए जीबीसी 4.0 के जरिए उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा निवेश डाटा सेंटर की स्थापना के लिए 19 फरवरी को आयोजित एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ समाज की प्रतिभाशाली बेटी डॉ शुभि चतुर्वेदी।

कुमारी प्रशंसा चतुर्वेदी पुत्री श्री भुवनेश चतुर्वेदी (भुवन) (पुरा/कोलकाता) ने नवंबर २०२३ की सी ए परीक्षा उत्तीर्ण की है।

श्री माथुर चतुर्वेदी महिला परिषद द्वारा ग्रुप सद्स्यता अल्प समय में 1024 पूर्ण करने पर राष्ट्रीय महामंत्री संगठन श्रीमति नीमा चतुर्वेदी मुंबई ब राष्ट्रीय संयोजक श्रीमति माधवी चतुर्वेदी दिल्ली ब महिला परिषद की पूरी टीम को सक्रियता से लक्ष्य प्राप्ति के लिए बधाई शुभकामनाएं।

आज महापरिषद नेतृत्व को गर्व महसूस हो रहा है अपनी कुशल महिला नेतृत्व पर जिन्होंने एक नया इतिहास रचा है। इस से समाज में नारी सशक्तिकरण की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। आप सभी इस कार्य के लिए बधाई की पात्र हैं।

महिलाओं को अधिक जोड़ने के लिए महिला परिषद ग्रुप– 2 का सृजन करें। ग्रुप की मर्यादा भी सब बनाएं रखें।

सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को पालागन/जय श्री कृष्णा।।

नीरज चतुर्वेदी

सभापति– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

चतुर्वेदी मैटरनिटी एण्ड जनरल हॉस्पिटल

डॉ. मीनाक्ष चतुर्वेदी
बी.एस.सी., एम.बी.बी.एस.
एम. आर. सी जी. पी. (यु.के.)
(फिजिशियन एण्ड सर्जन)
रजि. नं. 8440

डॉ. अंजना चतुर्वेदी
एम.बी.बी.एस.
डी.सी.एच. (गोल्ड मेडलिस्ट)
पी जी डी एम सी एच
रजि. नं. 9179

- पैकेज -
(समस्त खर्चों सहित)

- सीजेरियन ऑपरेशन — ₹ 30000/- मात्र में
- चीरा रहित बच्चेदानी का ऑपरेशन — ₹ 35000/- मात्र में
- दूरबीन पद्धति से पित्त की पथरी का ऑपरेशन — ₹ 35000/- मात्र में

पाइल्स (बवासीर), फिशर व फिश्चुला का अत्याधुनिक तकनीक
(इन्फ्रारेड किरण व रेडियो फ्रिक्वेंसी ऐबेलेशन द्वारा उपचार)

अधिकृत चिकित्सक
खाद्य आपूर्ति निगम
हुडको
म.प्र. इलेक्ट्रानिक निगम
हस्तशिल्प विकास निगम

श्रीमती लाडोदेवी (दादी) स्मृति में
75 वर्ष से ऊपर एवं विकलांग को निःशुल्क परामर्श

इमरजेन्सी सुविधा 24 घंटे उपलब्ध

पुल बोगदा, रायसेन रोड, भोपाल (म.प्र.) फोन : 2756397, मो. 9977503188
रोजाना मिलने का समय - प्रातः 10.30 बजे से 1.30 बजे तक, शाम 6.30 बजे से 9.30 बजे तक

चतुर्वेदी समाज के गौरव

स्व0 श्री विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

जी.डी.ए., आर.ए., एफ.सी.ए.
आधुनिक प्रगतिशील चतुर्वेदी समाज के प्रकाश स्तम्भ
युग प्रवर्तक सम्पूर्ण भारत वर्ष के चतुर्वेदी समाज के
प्रथम चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
समाज में आर्थिक प्रगति की गंगा लाने वाले भागीरथ
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– आयकर विभाग कानपुर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
संस्थापक– बी0एन0 चतुर्वेदी एन्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
संस्थापक चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ
सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय, मथुरा

स्व0 श्री अमरनाथ विशम्भर नाथ चतुर्वेदी

एम.ए. (अंग्रेजी साहित्य) एल.एल.वी., एफ.सी.ए.
पूर्व सभापति– सेन्ट्रल इन्डिया इन्स्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्टस
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर आयकर विभाग बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– कानपुर बिक्रीकर बार एसोसियेशन
पूर्व अध्यक्ष– प्रेम क्लब कानपुर
पूर्व अध्यक्ष– चतुर्वेदी विश्वम्भरनाथ सार्वजनिक पुस्तकालय एवं
वाचनालय, मथुरा

लेखक
सत्यं परं धीमहि

पूर्वजों को नित्य नियम नमन एवं समस्त चतुर्वेदी समाज का अभिनन्दन एवं शुभकामनाओं सहित
बृजमोहन अमरनाथ चतुर्वेदी, मोहित बृजमोहन चतुर्वेदी,
चि0 शिव नारायण मोहित चतुर्वेदी, "बृज अमर फाउंडेशन"

चतुर्वेदी हाउस	श्याम निकुंज	32, जौली मेकर चैम्बर 2	बृज अमर विश्व भवन
24/67, बिरहाना रोड	113/32 स्वरूप नगर	नरीमन पाइंट	श्याम घाट
कानपुर- 208001	कानपुर- 208001	मुम्बई-400021	मथुरा-281001

चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, नासिक एवं
रंगों के त्यौहार होली के पावन पर्व पर

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

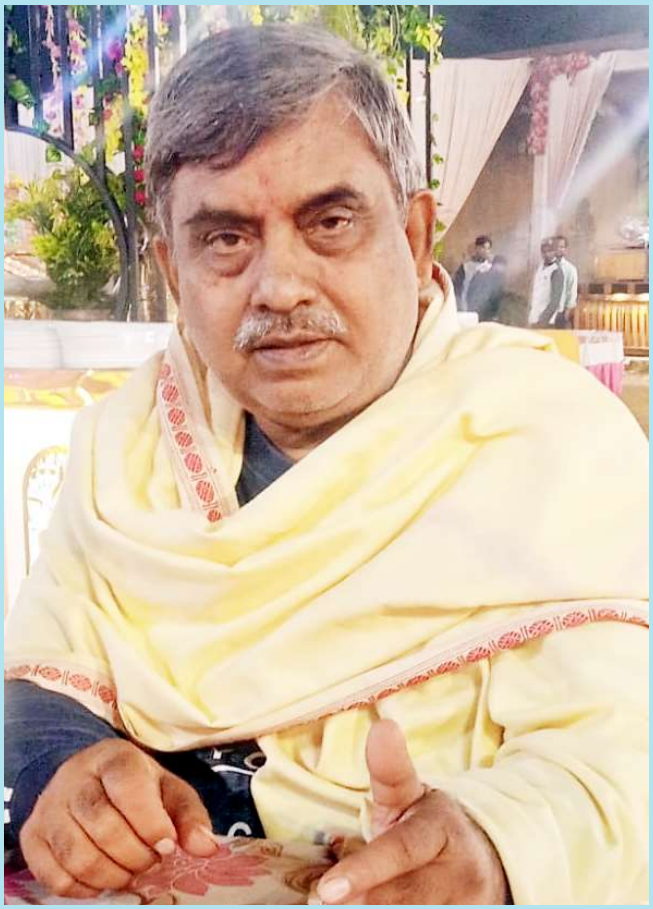

राजकुमार चतुर्वेदी (राजू भाई)

कार्यकारिणी सदस्य– श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

म0नं0– 36/2/8ए/5 'चतुर्वेदी सदन'
मोहनपुरा, पिंकी गली, ईदगाह–आगरा–2 (उत्तर प्रदेश)

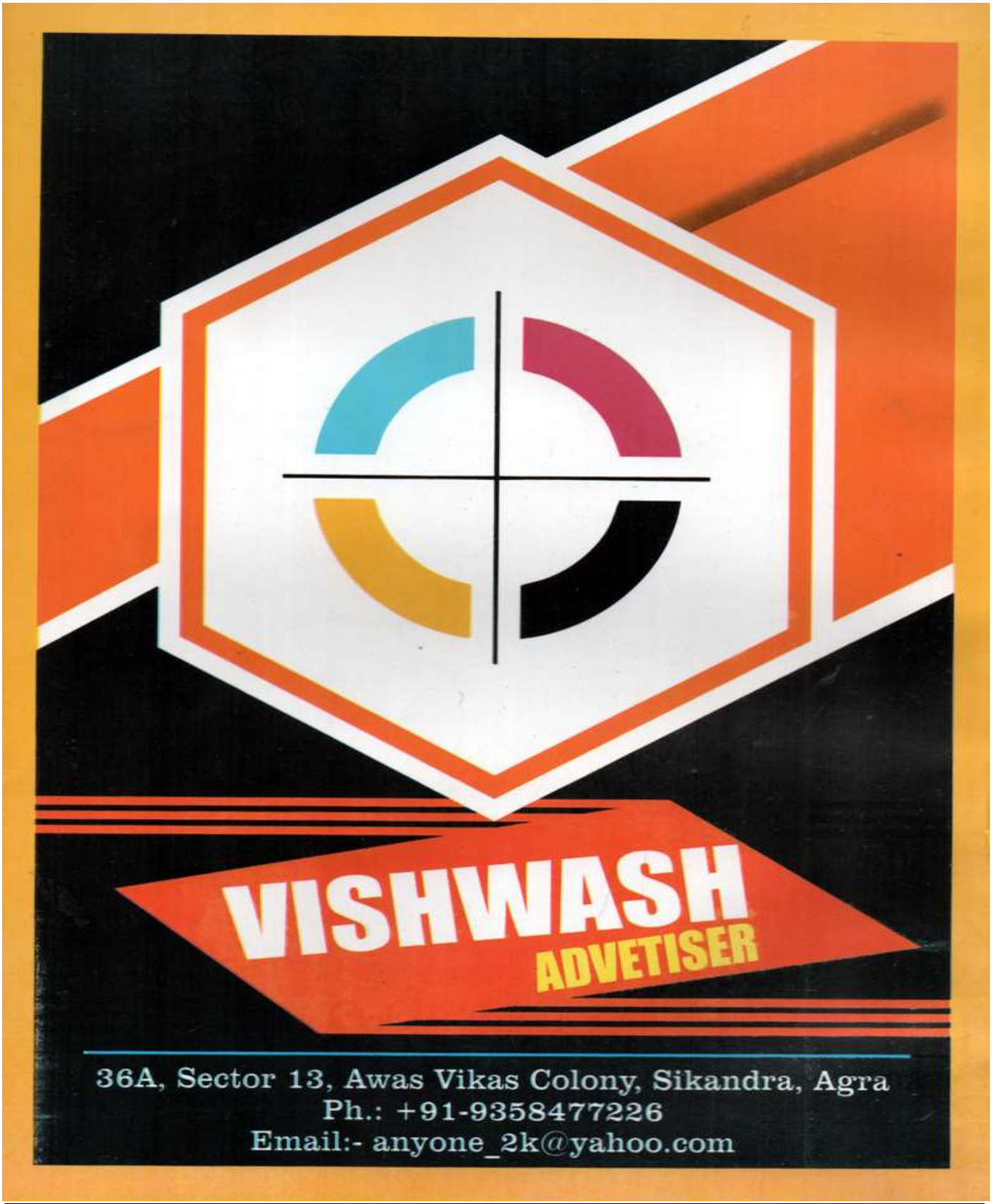
VISHWASH
ADVETISER
36A, Sector 13, Awas Vikas Colony, Sikandra, Agra
Ph.: +91-9358477226
Email:- anyone_2k@yahoo.com